दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 01 जुलाई-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 192 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर समर्थकों में दिखा जोश

विपक्ष की राजनीति का सशक्त मजबूत फेस बनकर उभरे हैं अखिलेश और युवाओं की है एक बड़ी होप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन है। उनके जन्मदिन पर इस बार सैफई से लेकर गाजियाबाद तक समाजवादियों में एक उत्साह है। बहरहाल आज उत्तर प्रदेश में विपक्ष के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे अखिलेश यादव के जन्मदिन पर समाजवादियों में उत्साह है। उत्साह तो विपक्ष की राजनीति में भी आया है और अखिलेश यादव ने दिखाया है कि उन्होंने सियासत में अपने पिता और सपा संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की विरासत को कायम रखा है। उसी जोश और जुनुन के साथ वो सड़कों पर उतरे और समाजवादी पार्टी ने 36 लोकसभा सीटें जीतकर अपनी ताकत का मुलाहिजा पेश किया है। ये जन्मदिन एक तरह से समाजवादियों के लिए भी खास है। सभी उत्साह से लबरेज हैं। समाजवाद के नए बड़े चेहरे के रूप में अखिलेश यादव सामने आये हैं। उन्होंने खुद को साबित किया है और वो 2027 के लिए विपक्ष के खेमे में एक बड़ी उम्मीद की किरण बनकर आ गये हैं।

समाजवादियों ने दिया राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर रक्तदान से बड़ा संदेश

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) का दौरा किया। यहां उन्होंने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सदस्यों से जुड़े पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। अखिलेश यादव का जन्म 1 जुलाई, 1973 को इटावा जिले के सैफई में हुआ था। वर्तमान में वह कन्नौज से सपा के सांसद हैं। पीडीए कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यादव ने कहा- मैं आज के रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले हमारे सभी समर्पित पीडीए परिवार के कार्यकताओं को धन्यवाद देता हूं और उनकी सराहना करता हूं। पीडीए पहल के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने का एक आंदोलन है जो पीड़ित, उत्पीड़ित, परेशान और अपमानित हैं। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि व्यापार और उद्योग में अघोषित आपातकाल है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) अपने लोगों को औने-पौने दामों पर चीजें (संस्थाएं और प्रतिष्ठान) बेच रहे हैं। खबरों के अनुसार, एक बड़ा संस्थान भी बिकने के

कगार पर है। अगर व्यापार और उद्योग बढ़ेगा तो आम लोगों की जिंदगी बदलेगी और रोजगार बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा, जब समाजवादी सरकार सत्ता में आएगी, तो हम इसे दुनिया का सबसे बेहतरीन संस्थान बनाने के लिए हर जरूरी संसाधन मुहैया कराएंगे और गरीबों को उचित चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराएंगे। वहीं, नदियों के प्रदूषण पर अखिलेश ने कहा, नदियां साफ नहीं हो रही हैं, बल्कि बजट का दुरुपयोग हो रहा है। इसलिए आज गोमती गंदी है। सपा शासन में यह खूबसूरत बन रही थी, लेकिन उन्होंने इसे बर्बाद कर दिया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी के सम्मान में लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर वीरांगना उदा देवी की प्रतिमा स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की।

अखिलेश यादव ने की जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं से सहयोग की अपील

करंट क्राइम। इससे पहले सपा प्रमुख ने 'एक्स' पर लिखा था- इस वर्ष अपने सभी शुभचिंतकों से मेरी विनम्र अपील है कि मेरे जन्मदिन के अवसर पर किसी भी प्रकार की पुष्प गुच्छ भेंट, प्रतिमा, तस्वीर, पार्टी के चिह्न साइकिल की प्रतिकृतियों या किसी भी अन्य प्रकार की भेंट की जगह अपना-अपना योगदान माननीय नेता जी के निमार्णाधीन समाजवादी स्मारक में अपने आस्था अंशदान के रूप में पार्टी कार्यालय में आधिकारिक रूप से जमा कराएं। समाजवादी मूल्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और आपके इस सहयोग के धन्यवाद स्वरूप हर अंशदाता का नाम समाजवादी स्मारक सहयोग पुस्तिका में प्रकाशित किया जाएगा।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने 1 जुलाई के जन्मदिन पर दिलचस्प पहल की पहल करके लोगों से अपील की। उनके पिता एवं पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के सम्मान में सैफई (एटा) में बनने वाले स्मारक के लिए सहयोग जुटाने की।

आधिकारिक रूप से बताया गया है कि यह स्मारक सैफई में 8.3 एकड़ में विकसित किया जाएगा। इस स्मारक में एक विशाल पार्क, ऑडिटोरियम और मुलायम सिंह यादव की विस्तृत कांस्य प्रतिमा शामिल होगी । यह पहल उस क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निर्माण कार्य 2027 से पहले पूरा हो जाए। अखिलेश यादव ने इसे आदरणीय पिताजी का खास श्रद्धांजलि स्थल कहा है और जनता व समर्थकों से वित्तीय योगदान, भूमि और अन्य संसाधन जुटाने की अपील की है ।

इस स्मारक का भूमिपूजन समारोह 22 नवंबर को मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित करने की योजना है। इस दिन यह शुरूआत लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। यह स्मारक न सिर्फ उनके परिवार के लिए, बल्कि समाजवादी आंदोलन की भावना को संग्रहित व संरक्षित करने का लक्षित प्रयास है। यह सार्वजनिक स्थल उन लोगों को भी जोड़ने का माध्यम बनेगा, जो सात पीढ़ियों तक समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहे हैं।

पिता मुलायम सिंह से मिले हैं विरासत में समाजवादी संस्कार

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को विरासत में अपने पिता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव से सियासत के समाजवादी संस्कार मिले हैं। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक हैं। वो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और केन्द्र सरकार में रक्षा मंत्री रहे हैं। मुलायम सिंह यादव विपक्ष की राजनीति का एक ऐसा चेहरा रहे हैं जिन्हें चाह कर भी सरकारें इग्नोर नहीं कर सकी हैं। यदि हम उनके पुत्र तथा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पोलिटिक्ल ग्राफ पर नजर डालें तो ये पता चलता है कि उन्होंने राजनीति में अपने स्वर्गीय पिता के सिद्धान्तों को फोलो किया है। अखिलेश यादव युवा पीढ़ी की राजनीति का एक ऐसा चेहरा बन कर सामने आये हैं जो अपने हक के लिए लड़ना जानते हैं। अखिलेश यादव राजनीति के शिष्टाचार जानते हैं और वो कभी भी अपने शब्दों का संतुलन नहीं खोते हैं। कार्यकर्ताओं को नाम से जानते हैं और ये एक ऐसी खूबी है जो उन्हें समाजवादी परिवार में नेता जी के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव से मिली है। समाजवादी उत्तराधिकार को लेकर जरूर उनके कुछ मतभेद रहे लेकिन यहां भी सबसे बड़ी बात संस्कारों की रही। अखिलेश यादव ने हमेशा अपने पिता का सम्मान किया और वो हमेशा अपने पिता के सामने विनम्र रहे। राजनीति की विचारधारा को उन्होंने अपने पिता से अपने व्यक्तित्व के भीतर आत्मसात किया है। अखिलेश यादव राजनीति में उन युवाओं के लिए भी आदेर्श हैं जो संस्कार संस्कार का भी पालन करते हैं और विचारधारा पर भी अडिग रहते हैं।

शिक्षा की डगर पर अखिलेश यादव ने हासिल की हैं कई डिग्रियां

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 1 जुलाई को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। परिवार से लेकर पार्टी और अन्य राजनेताओं का बधाई देने के लिए तांता लगने वाला है। तो आइए जानते हैं यूपी की राजनीति के इस धुरंधर खिलाड़ी की पढ़ाई-लिखाई के बारे में, आखिर अखिलेश यादव कितने पढ़े लिखे हैं, उनके पास कौन-कौन सी डिग्रियां हैं।

अखिलेश यादव की शुरूआती पढ़ाई इटावा के सेंट मैरी स्कूल से हुई है। इसके बाद वो पढ़ाई के लिए राजस्थान चले गए। जहां के धौलपुर मिलिट्री स्कूल से स्कूलिंग की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने लखनऊ कॉलेज से ग्रैजुऐशन किया। फिर मैसूर विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इसके बाद आगे की पढ़ाई करने के लिए वह ऑस्ट्रेलिया चले गए। जहां से उन्होंने सिडनी विश्वविद्यालय से पर्यावरण इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की।

1 जुलाई 1973 को इटावा के सैफई में जन्में भारतीय राजनीति के दिग्गज नेता अखिलेश यादव अब नेशनल लीडर बन चुके हैं। एक दम अपने पिता मुलायम सिंह यादव की तरह बोलने और छवि रखने वाले अखिलेश यूपी के यूथ में काफी लोकप्रिय हैं। उनकी फैन फालोइंग अच्छी खासी है।

बता दें कि अखिलेश यादव 26 साल की उम्र में सांसद बन गए थे। उन्होंने 2000 में कन्नौज उपचुनाव में जीत दर्ज कर राजनीति में एंट्री की थी। इतना ही नहीं वो देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के 38 साल की उम्र में मुख्यमंत्री भी बन गए। उन्होंने 15 मार्च 2012 को यपी के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। पांच साल सीएम रहने के बाद उन्होंने साल 2019 के लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतकर संसद पहुंचे। फिर 2022 में विधायक बने, इसके बाद 2024 में फिर सांसद बने। अब अखिलेश यादव यूप के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगे हुए हैं।

जीवनसाथी के रूप में डिंपल यादव ने दिया है हर कदम पर साथ

करंट क्राइम। ऑस्ट्रेलिया से वापस लौटने के बाद 24 नवंबर 1999 को अखिलेश यादव ने डिंपल यादव से शादी कर ली थी। अखिलेश और डिंपल को दो बेटियां और एक बेटा है। डिंपल यादव भी राजनीति में हैं। डिंपल यादव का जन्म 1978 में पुणे में हुआ था, लेकिन वह मूलरूप से उत्तराखंड की रहने वाली हैं। डिंपल यादव के पिता रिटायर्ड कर्नल आरसीएस रावत हैं और माता का नाम चंपा रावत हैं। डिंपल यादव की पढ़ाई-लिखाई पुणे, बटिंडा, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और लखनऊ से हुई है। डिंपल यादव लखनऊ विश्वविद्यालय में बीकॉम की पढ़ाई के दौरान ही अखिलेश से मिली थीं। डिंपल यादव ने साल 2009 में राजनीति में एंट्री मारी। फिरोजाबाद सीट से पहली बार उन्होंने चुनाव लड़ा था। वह पहले कन्नौज से दो बार लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं और वर्तमान में मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार सदस्य हैं।

24 साल पहले अखिलेश यादव का राजनीतिक सफर हुआ था शुरू

करंट क्राइम। अखिलेश यादव 2000 में पहली बार कन्नौज से लोकसभा के सदस्य चुने गए और उसके बाद, उन्होंने अगले दो बार लगातार लोकसभा चुनाव जीता। वह खाद्य, नागरिक आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण समिति के सदस्य भी थे। उन्होंने 2000 से 2001 तक नैतिकता समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। वह 2002 से 2004 तक पर्यावरण एवं वन समिति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य भी रहे।

दूसरे कार्यकाल के लिए, वह 2004 में 14वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में पुनः निर्वाचित हुए। 2004 से 2009 तक, उन्होंने शहरी विकास समिति, अनुमान समिति, विभिन्न विभागों को कंप्यूटर के प्रावधान संबंधी समिति सहित विभिन्न समितियों की सदस्यता संभाली। इसके बाद वे 2009 में 15वीं लोकसभा के सदस्य बने और तीसरी बार पुनः निर्वाचित हुए। उन्होंने 2009 से 2012 तक पर्यावरण एवं वन समिति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति तथा 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। 10 मार्च 2012 को उन्हें उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का नेता नियुक्त किया गया। 15 मार्च 2012 को 38 वर्ष की आयु में अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 2 मई 2012 को उत्तर प्रदेश राज्य में विधान परिषद के सदस्य बनने के लिए 15वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में इस्तीफा दे दिया। 2017 के विधानसभा चुनाव में यादव के नेतृत्व वाला सपा-कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाने में सक्षम नहीं था और इसलिए उन्होंने 11 मार्च को राज्यपाल राम नाईक को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। मई 2019 में वे आजमगढ़ लोकसभा से सांसद चुने गए हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
02 • नई दिल्ली। मंगलवार 01 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

जनप्रतिनिधियों ने जब पार्षदों का दिया साथ

तब बढ़ा हाउस टैक्स नहीं हुआ पास

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा, जनता पर हाउस टैक्स का लोड उचित नहीं

निगम दूर करे हाउस टैक्स की विसंगतियां : सुनील शर्मा

जितना मिलेगा फंड उतना होगा विकास : महापौर

टैक्स कलेक्शन के आंकड़े भेजे जाएंगे विधानसभा : अतुल गर्ग

गाजियाबाद करंट क्राइम। सोमवार को नगर निगम गाजियाबाद के सभागार में प्रमुख जनप्रतिनिधि पहुंचे। तो वहीं बड़ी संख्या में पार्षद ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। हाउस टैक्स के मुद्दे को लेकर एक-एक पार्षद ने अपना विरोध दर्ज कराया और सदन में महापौर और नगर आयुक्त के सामने हाउस टैक्स के विषय को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान सदन में मौजूद लगभग 84 नगर निगम पार्षदों ने निगम द्वारा बढ़ाए गए हाउस टैक्स के विरोध में अपने विचार रखे। नगर निगम के सदन के दबाव और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों के समर्थन मिलने के बाद सोमवार को हुई बोर्ड बैठक में फिलहाल बढ़ा हुआ हाउस टैक्स का मामला शांत हो गया है। महापौर सुनीता दयाल ने जनप्रतिनिधियों और पार्षदों की बात सुनते हुए शहर हित को ध्यान में रखते हुए हाउस टैक्स जो नए डीएम सर्किल रेट के अनुसार बढ़ाया गया था उसको निरस्त कर दिया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही टैक्स कितना बढ़ेगा, इस बात को लेकर मीटिंग बुलाकर तैयारी की जाएगी। साथ ही कमर्शियल टैक्स में जो गड़बड़ी मिल रही थी उसकी भी जांच होने की बात की गई है। वही महापौर सुनीता दयाल ने कहा है कि जितना फंड मिलेगा उतना ही विकास होगा। फिलहाल अभी निगम के सदन द्वारा हाउस टैक्स नहीं बढ़ाए जाने के फैसले को जो निरस्त करने का आदेश हुआ है। इसे शासन और हाईकोर्ट को भेजा जाएगा। बता दें की नगर निगम के पूर्व पार्षदों द्वारा फिलहाल हाउस टैक्स के मामले को लेकर कोर्ट में भी वाद विचाराधीन है।

इसकी 29 जुलाई को सुनवाई होनी है। वहीं सोमवार को दोपहर में जैसे ही महापौर सुनीता दयाल ने बढ़े हुए हाउस टैक्स के फैसले को वापस लेते हुए इसे निरस्त करने का आदेश दिया, उसके बाद गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों पार्षदों व्यापारियों और भाजपा व अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बढ़े हुए हाउस टैक्स वापस लेने का संदेश भी लिख डाला।

लेट शुरू हुई बैठक लेकिन जल्दी हुआ समापन

करंट क्राइम। सोमवार को नगर निगम में हाउस टैक्स के विषय को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के लिए बाकायदा महापौर द्वारा भाजपा के पार्षदों को बुलाने के लिए व्हीप जारी किया गया था। तो वही सभी पार्षदों को संदेश भी दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार 84 पार्षद सोमवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित रहे। जबकि 16 के अनुपस्थित होने की जानकारी मिली है। कई लोग स्वास्थ्य खराब होने या बाहर होने की वजह से भी नहीं पहुंच पाए। उसके लिए महापौर द्वारा उनका पत्र भी भेजने का निर्देश दिया गया था। हालांकि बैठक सुबह बारिश और मेयर के देर से पहुंचने की वजह से करीब 20 मिनट लेट शुरू हुई।

इन पार्षदों ने हाउस टैक्स के विरोध में उठाई सदन में आवाज

करंट क्राइम। शहर के विकास और अन्य मुद्दों पर हमेशा दो राय रहने वाले पार्षद सोमवार को नगर निगम में हुई हाउस टैक्स को लेकर विशेष बैठक में एकजुट नजर आए। हालांकि अन्य विषयों पर तो उनके बीच कहां सुनी और तकरार देखने को मिली। लेकिन हाउस टैक्स के विषय पर सभी पार्षदों ने बढ़ोत्तरी का विरोध किया और इसे खारिज करने की मांग की। इसमें कांग्रेस से लेकर निर्दलीय और सत्ता वाले पार्षद भी खुलकर समर्थन में आए। इस दौरान पार्षद नीलम भारद्वाज, कुसुम गोयल, पूनम सिंह, संजय सिंह, नीरज गोयल, ओम प्रकाश और संतोष सिंह राणा, कांग्रेस पार्षद अजय शर्मा, जय किशन, राजकुमार राजू, कन्हैया शशि खेमका, छाया त्यागी, नीतू नागर, सुमन चौधरी, रुखसाना सैफी, शिल्पा चौधरी, सविता भट्टी, शीतल चौधरी, शशि गौतम, प्रीति जैन, हरीश काराकोटी, हिमांशु चौधरी, विनय चौधरी, आदिल मलिक, नितिन सचिन डागर, कैलाश, भारत गौतम, नरेश जाटव, उमेश कुमार नागर, मनोज त्यागी, पप्पू नागर, विनीत, पवन कुमार गौतम, रजनी कल्याणी, राजकुमार भाटी, नरेश भाटी, प्रवीण चौधरी, गौरव सोलंकी, प्रवीण कुमार मुलायम, अजीत निगम, रवि भाटी, हिमांशु शर्मा, शिवम शर्मा, सुधीर कुमार, राहुल शर्मा, यशपाल पहलवान, धीरज अग्रवाल, अमित त्यागी, वीरेंद्र त्यागी, श्रीभगवान अग्रवाल, राधे श्याम त्यागी, कुलदीप त्यागी, अनुज त्यागी, उदित मोहन गर्ग, मदन राय, प्रमोद राघव, ओमपाल भाटी, रेखा गोस्वामी, नीलम, भूपेंद्र चौधरी ने नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए हाउस टैक्स के विरोध में अपने विचार रखे और नगर निगम से इसे जल्द से जल्द समाप्त करने का अनुरोध किया।

महत्वपूर्ण बैठक में भी यह पार्षद रहे अनुपस्थित

करंट क्राइम। शहर में इन दिनों हाउस टैक्स का मुद्दा नगर निगम के 100 वार्डों से लेकर गाजियाबाद की जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच जमकर चल रहा था। इसी को लेकर सोमवार को नगर निगम गाजियाबाद के सभागार में महत्वपूर्ण बैठक की गई। वर्तमान में नगर निगम के 100 वार्ड है और 100 ही पार्षद है। इन सभी को हाउस टैक्स के विषय के लिए नगर निगम की बैठक में आमंत्रित किया गया था। लेकिन बड़ी संख्या में पार्षद अनुपस्थित भी रहे। जिसमें मुख्य रूप से पार्षद भगवत स्वरूप गौतम, धीरेंद्र यादव बिल्लू, पवित्र देवी, जोगिंदर सिंह, सीमा यादव, सरोज प्रवीण, मोहम्मद मुस्तकीम, रामनिवास बंसल, राजीव भाटी, ओमवती देवी किरण, रुबीना और सिमरन मलिक व दो अन्य पार्षद नगर निगम की बोर्ड बैठक में अनुपस्थित रहे।

जब महापौर सुनीता दयाल ने किया सदन में हाउस टैक्स ना बढ़ाए जाने का ऐलान

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने सदन में जैसे ही ऐलान किया कि बढ़ा हुआ टैक्स फिलहाल नहीं वसूला जाएगा। पुराने रेट पर ही टैक्स लिया जाएगा। टैक्स कितना बढ़ेगा इसका फैसला भी जल्द लिया जा सकता है। तो वही महापौर सुनीता दयाल ने पार्षदों के पद का सम्मान और जनप्रतिनिधियों की बात का हवाला देते हुए फिलहाल हाउस टैक्स बढ़ाये जाने के विषय को निरस्त करने की घोषणा की। तो वहीं महापौर सुनीता दयाल ने मॉल के टैक्स में गड़बड़ी को लेकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि कमर्शियल टैक्स में ईमानदारी बरती जानी चाहिए। टैक्स को लेकर नगर निगम के कर्मचारी लापरवाही ना करें। उन्होंने इस दौरान यह भी जानकारी दी कि गाजियाबाद में टैक्स के जिस काम को दो निरीक्षक कर रहे हैं। इस काम को अन्य जगह 10 लोग करते हैं। यानी कर्मचारियों पर दबाव है और इसी वजह से कई बार बड़ी गड़बड़ियां हो जाती हैं।

मेयर का स्पष्ट संदेश, जितना फंड उतना विकास

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने जब नगर निगम के सदन में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक और जनप्रतिनिधियों की विशेष राय के बाद हाउस टैक्स नहीं बढ़ाए जाने की घोषणा की तो इस दौरान वह यह कहने से भी चूकिं कि नगर निगम में उतना ही विकास होगा जितना फंड होगा। अगर फंड कम होगा तो यह आवश्यक नहीं है कि भविष्य में पार्षदों के विकास कार्य एक करोड़ रुपए के ही हो। इस कम भी किया जा सकेगा।

नगर आयुक्त ने पीपीटी से लेकर आंकड़ों के साथ दी हाउस टैक्स बढ़ाने की प्रेजेंटेशन, गिनवाए फायदे और नुकसान

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विशेष आमंत्रित जनप्रतिनिधियों और सदन में मौजूद बड़ी संख्या में पार्षदों को हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी क्यों की जा रही है, इसका बाकायदा प्लान समझाया। तो उन्होंने बताया कि हाउस टैक्स में अगर बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी तो क्या नुकसान होंगे। आईएएस अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम को लगभग 95 करोड़ रुपए इंडस्ट्रियल एरिया से अब मिलना बंद हो गया है, जो एक बड़ा नुकसान है। तो वहीं उन्होंने यह भी बताया कि यूपीसीडा 70 रूपये मीटर यानी 7 फीसद टैक्स ले रहा है। उन्होंने जनता और पार्षदों को यह भी बताया कि भले हम अपनी बात आम जनता तक पहुंचने में सफल नहीं हुए। हम पर पार्षदों का दबाव भी रहा। वर्तमान में नगर निगम अभी भी टैक्स पर लगभग 66% की छूट दे रहा है। जिसमें 20% छूट कवर्ड एरिया की है। 20% छूट तय समय सीमा पर भुगतान करने पर मिलती है। तो वहीं 25 साल से पुराने जो भवन है उसमें भी छूट दी जाती है। इसके साथ ही एक प्रतिशत ऑनलाइन भुगतान कर कोई भी छूट प्राप्त कर सकता है। इसलिए कर में बड़ी छूट मिलती है। इस दौरान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने एक आंकड़ा भी प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया कि अब तक 1121 विकास के कार्य 100 पार्षदों के वार्ड में कराए गए हैं। जिसकी अनुमानित राशि 585 करोड़ रुपए के आसपास है। वहीं उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए बताया कि गाजियाबाद में किस तरीके से अगर वर्ष 2001 से प्रति 2 वर्ष में 10% वृद्धि की जाती तो कितना टैक्स बढ़ता और जनता पर कितना बोझ आता। उन्होंने गाजियाबाद नगर निगम, बनारस, कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ और मुरादाबाद का आंकड़ा प्रस्तुत किया और बताया कि हम किस तरीके से लोगों से सबसे कम टैक्स वसूल रहे हैं। इसके साथ ही जो बढ़ा एरिया और सोसाइटी के बाहर की सड़क आदि के विषय को लेकर राजनगर और वसुंधरा में टैक्स को लेकर अंतर आ रहा है। उसकी भी बारीकी समझाई। साथ ही उन्होनें यह भी बताया कि अगर टैक्स नहीं बढ़ेगा तो निगम की आय और विकास कार्यों पर भी असर पड़ेगा।

इधर हुआ टैक्स निरस्त, उधर सोशल मीडिया पर विधायक, महानगर अध्यक्ष और पूर्व महापौर ने कर दी पोस्ट

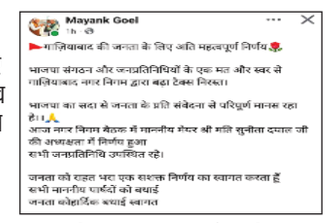

करंट क्राइम। नगर निगम के सदन में जैसे ही महापौर सुनीता द्वारा बढ़े हुए टैक्स को नहीं लिए जाने की घोषणा की गई। तो उधर शहर विधायक संजीव शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर बढ़ा हुआ हाउस टैक्स निरस्त करने की पोस्ट डाल दी। जिसके बाद उस पर बधाई और कमेंट का सिलसिला शुरू हो गया। तो वहीं महानगर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मयंक गोयल ने लिखा कि गाजियाबाद की जनता के लिए अति महत्वपूर्ण निर्णय, भाजपा संगठन और जनप्रतिनिधियों के एकमत और स्वर से गाजियाबाद नगर निगम का बढ़ा हुआ टैक्स निरस्त। भाजपा का सदा जनता के प्रति संवेदना से परिपूर्ण मानस रहा है। इसके लिए उन्होंने महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में हुए निर्णय के लिए सभी पार्षदों और जनता को हार्दिक बधाई भी दी। तो वहीं पूर्व महापौर अशु वर्मा ने लिखा कि महापौर, मंत्री, सांसद, विधायक और पार्षदगण सभी का आभार। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर कई अन्य व्यापारियों, सामाजिक संगठनों के लोगों ने भी टैक्स बढ़ोत्तरी नहीं होने के फैसले को सोशल मीडिया पर स्वागत किया।

बढ़े हुए टैक्स से जो बिल हुए हैं जमा, निगम उनको करेगा एडजस्ट

करंट क्राइम। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी और महापौर ने इस बात की भी जानकारी दी है कि जिन लोगों ने बढ़े हुए बिल के आधार पर अपना हाउस टैक्स जमा किया है। उनके डिफरेंस को भविष्य में निकालकर नगर निगम एडजस्ट करने का काम करेगा।

वर्तमान पार्षदों की मेहनत भी लाई रंग, जमकर चलाई थी हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विरोध में मुहिम

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम के पार्षदों के लिए सोमवार का दिन खास बन गया जब सदन में हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर बैठक हुई। उस बैठक में वह अपनी जीत बता रहे हैं। पार्षदों का कहना है कि वह जनता की आवाज को उठाकर जब संघर्ष करने चले थे, तब शुरूआत में तो कुछ ही लोग थे लेकिन कारवां बढ़ता गया और पार्षदों का साथ मिलता चला गया। हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय को लेकर शुरू से नगर निगम के भारतीय जनता पार्टी और कुछ खास पार्षद लगातार विरोध में थे। वह जनता पर अतिरिक्त दबाव और बोझ नहीं पढ़ने देना चाहते थे इसीलिए वह खुलकर विरोध प्रदर्शन, मीटिंग और मैटर को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने का लगातार प्रयास कर रहे थे। सोमवार को जिस तरीके से महापौर सुनीता द्वारा जनप्रतिनिधियों और पार्षदों की पूरी बातचीत और कार्रवाई सुनने के बाद बढ़े हुए हाउस टैक्स को फिलहाल निरस्त करने का फैसला लिया गया है। यह पार्षदों की जीत ही जा सकती है। तो वही इस पूरी लड़ाई में जहां पूर्व पार्षदों ने मेहनत करी है तो वर्तमान पार्षदों ने भी अपनी ताकत का जमकर एहसास करवाया है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 • नई दिल्ली। मंगलवार 01 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

स्थगित हुआ है बढ़ा हुआ हाउस टैक्स, निरस्त नहीं !

कमर्शियल टैक्स को लेकर मिली शिकायतों की जल्द होगी जांच : महापौर सुनीता दयाल

बढ़े टैक्स का फैसला वापस होने पर पार्षदों ने जनप्रतिनिधियों को दी बधाई

करंट क्राइम। नगर निगम के अधिकारी और गलियारों में चर्चा है कि सोमवार को नगर निगम के सभागार में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के भारी विरोध के बाद आखिरकार गाजियाबाद में बढ़े हुए हाउस टैक्स का मुद्दा हल निकालने के संदेश चल रहे हो। लेकिन नगर निगम के अधिकारी और नगर निगम के गलियारियों में चर्चा है कि यह अभी नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स का बढ़ाये जाने का फैसला स्थगित हुआ है इसे निरस्त नहीं माना जाए। अभी इस पूरे मामले की फाइल शासन को भेजी जाएगी। तो वहीं देखना अब यह है कि पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, अनिल स्वामी, हिमांशु मित्तल, हिमांशु लव द्वारा जो कोर्ट में याचिका डाली गई है, उस मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होनी है और तब तक इस पूरे मामले पर क्या रुख रहता है।

निगम में 29 जुलाई की डेट भी है हाउस टैक्स के लिए महत्वपूर्ण

करंट क्राइम : फिलहाल हाउस टैक्स के विषय को लेकर अभी मामला स्थगित हुआ है यह निरस्त नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि इस पूरे मामले में पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, हिमांशु लव, मित्तल और अनिल स्वामी ने कोर्ट में याचिका डाली हुई है। इस मामले की सुनवाई 29 जुलाई को होनी है, यानी 29 जुलाई को जो कोर्ट का फैसला आएगा, वह हाउस टैक्स के विषय को लेकर बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। इसीलिए 29 जुलाई का वेट नगर निगम के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और पार्षदों को बेसब्री से रहेगा। क्योंकि कोर्ट के फैसले से ऊपर कोई नहीं जा सकता है। इसकी बात सोमवार को नगर निगम के सदन में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, महापौर सुनीता दयाल और सदन सचिव संजीव सिन्हा ने भी रखी थी।

जुलाई में होना है नई कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव व बैठक

करंट क्राइम : नगर निगम में सोमवार को बैठक महत्वपूर्ण रही, तो बताया जा रहा है कि जुलाई के पहले सप्ताह में नगर निगम के सभागार में एक और महत्वपूर्ण बैठक होनी है। जिसमें आगे की कार्यकारिणी के लिए एजेंडा बनेगा। तो वही नई कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव की रणनीति और फेस चुनने की शुरूआत होगी। बता दें कि बीते दिनों नगर निगम के छह पार्षद कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। अब उनके स्थान पर नए कार्यकारिणी सदस्य चुने जाएंगे और फिर इसके बाद यही कार्यकारिणी सदस्य मिलकर नगर निगम के उपाध्यक्ष को चुनने का भी काम करेंगे।

सांसद अतुल गर्ग ने कही बड़ी बात, टैक्स वसूली और छूट में मॉल को दी गई मोहलत भूल या जानबूझकर की गई गलती

गाजियाबाद करंट क्राइम। हाउस टैक्स के विषय को लेकर सोमवार को नगर निगम के सदन का माहौल थोड़ा गर्म हुआ था। लेकिन बाहर बारिश की वजह से मौसम ठंडा था। नगर निगम के अंदर मौजूद जनप्रतिनिधि और पार्षद अपनी बातों से स्पष्ट कर चुके थे कि बढ़े हुए हाउस टैक्स के वह सभी विरोध में है। तो नगर निगम के सदन के बाहर व्यापारी कांग्रेस नेता और अन्य सामाजिक संगठन बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर नारेबाजी और विरोध जाहिर कर बता रहे थे कि मामला अभी आगे तक चलने वाला है। हालांकि दोपहर बाद महापौर ने साफ कर दिया कि फिलहाल नए डीएम सर्किल रेट से टैक्स की वसूली नहीं की जाएगी। फिलहाल इसे निरस्त कहा जा रहा है। लेकिन यह है आधिकारिक रूप से अभी स्थगित किया गया है। सोमवार को सदन में पहुंचे गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता है और यही सदन की भी मांग है। इस दौरान उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों पर भी इशारे-इशारे में एक बात कह डाली है। वहीं सांसद अतुल गर्ग ने कहा

है कि जिस तरीके से मॉल में टैक्स की वसूली में भूल की गई या जानबूझकर की गई भूल है। जिसे नगर निगम के अधिकारी और मेयर स्वीकार किया गया है। तो इस आंकड़े को विधानसभा लखनऊ भी भेज जाना चाहिए। जो भूल-चूक हुई है उसे सुधारा जाए और जिन्होंने लापरवाही की है उसे पर भी संज्ञान लिया जाए।

अतुल गर्ग ने कहा वीआईपी कल्चर में हो सुधार अगली बार पार्षदों के साथ लगे सीट

करंट क्राइम। सोमवार को संसद अतुल गर्ग सदन में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सदन में पहुंचे थे। इस दौरान वह अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ अलग कुर्सी और डेस्क पर बैठ गए। जब संसद अतुल गर्ग का हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय को लेकर बोलने के लिए संबोधन शुरू हुआ तो उन्होंने कहा कि वह यहां एक सदस्य की हैसियत से आए हैं। वीआईपी कल्चर में सुधार किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों और महापौर से अपील भी की कि जब वह अगली बार सदन में आए तो उनकी सीट और डेस्क भी अन्य जनप्रतिनिधि यानी सदस्यों के साथ ही आगे की ओर लगाई जाए। उनको वीआईपी कल्चर से दूर रखा जाए। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि गलती उनकी भी है कि उन्होंने सोमवार को सदन में आने की जानकारी नहीं दी थी इसलिए भी यह भूल हो गई।

अतुल बोले, कल इधर वाले भी उधर बैठ सकते हैं

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने इस दौरान नगर निगम के सदन में जब अपनी कुर्सी पार्षदों के साथ लगाने की बात कही तो अपने अंदाज में यह भी कहा कि जो लोग आज सदन में सामने बैठे हैं। कल इन्हीं में से चुने लोग सदन में इधर वाली कुर्सी पर बैठ सकते हैं। जिस पर वहां मौजूद सभी पार्षदों ने जोरदार स्वागत करते हुए ताली भी बजाई।

जब कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा पार्षदों पर ना बनाया जाए किसी तरीके का दबाव

करंट क्राइम। साहिबाबाद विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने इसका एक नजारा सोमवार को नगर निगम के सदन में प्रस्तुत भी कर दिया। हाउस टैक्स के विषय पर बोल रहे थे तो उन्होंने पार्षद अपनी विधानसभा क्षेत्र के एक पार्षद के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पार्षदों पर किसी प्रकार का दबाव न बनाया जाए। उनके खिलाफ किसी प्रकार का अभियान ना चलाया जाए। अगर कोई विरोध कर रहा है तो उसके साथ भी समान व्यवहार होना चाहिए। इस दौरान नगर निगम में मौजूद पार्षदों ने ताली और टेबल बजाई। तो वही विधायक सुनील शर्मा ने टैक्स बढ़ोत्तरी के फैसले पर पार्षदों का समर्थन किया और कहा की पार्षद ही जनप्रतिनिधियों की पहली कड़ी है।

अजीत पाल त्यागी ने कहा निगम सभी जगह वसूले टैक्स, बढ़ोत्तरी पर कहा सदन ले फैसला

करंट क्राइम। सोमवार को नगर निगम की इस महत्वपूर्ण बैठक में गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि भी पहुंचे थे। तो मुरादनगर विधानसभा सीट से विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि नगर निगम अभी लगभग 74-75% लोगों से ही टैक्स वसूल रहा है। इसको शत प्रतिशत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा टैक्स सभी से सामान लिया जाना चाहिए और जब बात बढ़े हुए टैक्स के विषय की आई तो उन्होंने कहा कि जनता पर दबाव न बनाया जाए। नगर निगम सदन और महापौर का जो फैसला होगा वह सभी को मान्य रहेगा।

विधायक संजीव शर्मा निगम सदन में बोले किसान आंदोलन भी लेना पड़ा था वापस

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय पर सदन के पार्षदों द्वारा रखी गई मांग का सम्मान किया और इशारों ही इशारों में कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसान आंदोलन को भी वापस लिया गया था। तो यह अब सब अधिकारियों जनप्रतिनिधियों के विवेक पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स रिवाइज कराया जा सकता है। जनता पर अतिरिक्त बोझ ना पड़े और समान नियमानुसार टैक्स लेने को नई रणनीति बनाई जा सकती है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पार्षद अपने इलाके की जनप्रतिनिधि होते हैं इसलिए उनकी राय भी महत्वपूर्ण है।

पार्षद कुसुम गोयल लेकर पहुंची थीं विरोध वाले पर्चे

करंट क्राइम। नगर निगम की हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विरोध में हुई बैठक को लेकर पार्षद अपनी तैयारी से आए थे। कोई कागज लेकर आया था तो कोई विरोध के पर्चे के साथ सदन में पहुंचा था। कौशांबी से पार्षद कुसुम गोयल ने हाउस टैक्स वृद्धि का पर्चा दिखाया। उसमें लिखा हुआ था कि हमारे संस्थान पर हाउस टैक्स विरोध करने के चलते जेसीबी भेजी गई। वह जब तक एक ही पर्चा दिखा पाई, महापौर ने उनको यह सब न करने का निर्देश दिया और बैठा दिया। जिसके बाद वह अन्य पर्चे लेकर बैठ गई।

पार्षद विरोध के चलते पहुंचे थे काली ड्रेस में

करंट क्राइम। नगर निगम गाजियाबाद के कुछ पार्षद सोमवार को नगर निगम सभागार में हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विरोध में हुई महत्वपूर्ण बैठक में इस कदर विरोध पर आगे थे कि वह कपड़े भी काले पहन कर पहुंचे थे। हाउस टैक्स के विषय पर जब अपने विचार रखने के लिए पार्षद प्रवीण कुमार मुलायम खड़े हुए तो उन्होंने कहा कि मैं बढ़े हुए हाउस टैक्स का विरोध करता हूं। इसीलिए काले रंग के कपड़े पहन कर आया हूं। मेरी शर्ट से लेकर मौजे सभी काले हैं। मैं नगर निगम के हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी का खुलकर विरोध करता हूं।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बेबाकी से रखी हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी पर अपनी राय

करंट क्राइम। साहिबाबाद के विधायक सुनील शर्मा सोमवार को हाउस टैक्स के विषय पर बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे। जब वह बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि वह इस सदन में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री की हैसियत से नहीं बल्कि साहिबाबाद के विधायक के रूप में आए हैं। उन्होंने सदन में उपस्थित मीडिया और अन्य साथियों से भी कहा कि वह साहिबाबाद के विधायक होने के नाते अपनी राय बाकी से रखेंगे। उन्होंने कहा कि टैक्स की अमाउंट नहीं दर का विरोध है। साथियों उन्होंने कहा कि पार्षदों को लेकर वह हर फैसले में उनके साथ हैं। क्योंकि पार्षद ही लोकल स्तर पर जनप्रतिनिधि होता है। वह नगर निगम के अलावा अन्य समस्याओं और पुलिस थाने से लेकर बिजली विभाग तक की समस्याओं को फेस करता है।

सिटी से लेकर नदिया पार तक के पार्षद आंदोलन में रहे हैं आगे

करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स बढ़ाये जाने के विषय को लेकर सिटी से लेकर

नदिया पार तक के पार्षद लगातार विरोध में आगे रहे हैं। गाजियाबाद शहर से बात की जाए तो पार्षद नीरज गोयल, पूनम सिंह, प्रवीण चौधरी विरोध में आगे रहे। तो मनोज त्यागी, अमित त्यागी ने भी इस विषय को लेकर लगातार आवाज उठाई। तो वही नदिया पार के पार्षदों में गौरव सोलंकी, हिमांशु शर्मा, कुसुम गोयल तो पूर्व पार्षद मनोज गोयल, ओमप्रकाश और भूपेंद्र चौधरी, नरेश भाटी सहित बड़ी संख्या में दर्जनों भारतीय जनता पार्टी के ऐसे पार्षद रहे हैं, जिन्होंने हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय को लेकर लगातार अपनी आवाज बुलंद की है। तो वही जनप्रतिनिधियों के दरवाजे तक भी दस्तक देने का काम किया।

पूर्व पार्षद प्रदीप चौहान ने सदन में प्रोटोकॉल पर उठाए सवाल

करंट क्राइम। नगर निगम के सभागार में सोमवार को टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय पर महत्वपूर्ण बैठक थी। तब इसमें एक तस्वीर सामने आई। जिसमें महापौर और नगर आयुक्त एक डेस्क पर साथ-साथ बैठे हैं। तो गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी व सुनील शर्मा बराबर में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इस विषय को लेकर पूर्व पार्षद प्रदीप चौहान ने सवाल उठाया है कि यह प्रोटोकॉल ठीक नहीं, जब पूर्व महापौर दिनेश चंद्र गर्ग जी थे तो माननीय पदेन सदस्य उनके साथ एक मंच ही पर बैठते थे। हालांकि खुद सांसद अतुल गर्ग ने नगर निगम के सदन में कहा कि अगली बार जब भी उनको बैठक में बुलाया तो उनकी कुर्सी सदन में पार्षदों के साथ ही लगाई जाए।

बोर्ड बैठक शुरू होने से पहले ही आए पूर्व पार्षदों के नाम

करंट क्राइम। सोमवार को नगर निगम में हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होनी थी। इसमें शहर के सभी निगम पार्षदों को आमंत्रित किया गया था। नगर निगम में बोर्ड बैठक शुरू होने से पहले महापौर के आने के तुरंत बाद सबसे पहले वंदे मातरम गायन हुआ। इसके बाद सदन सचिव द्वारा बैठक के संबंध में जानकारी दी गई। तो उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के विषय में नगर निगम के पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, हिमांशु लव और अनिल स्वामी हाईकोर्ट गए हैं इस विषय को भी उन्होंने रखा। इस दौरान कांग्रेस के पार्षद अजय शर्मा द्वारा राजेंद्र त्यागी जो कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद है, उनके नाम के आगे पूर्व न लगाने को लेकर एतराज भी जताया था।

पार्षद प्रवीण चौधरी ने कहा पुराने टैक्स पर छूट देनी पड़ेगी, बढ़ेगा अतिरिक्त बोझ

करंट क्राइम। नगर निगम की सोमवार को हुई हाउस टैक्स वाली महत्वपूर्ण बैठक में राजनगर से पार्षद प्रवीण चौधरी ने कहा है कि नगर निगम जो पुराने टैक्स पर छूट दे रहा था वह उसे देनी पड़ेगी। जिससे नगर निगम पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इसीलिए अधिकारी, सदन और जनता को समझना चाहिए कि विकास जरूरी है तो टैक्स भी देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका क्षेत्र राजनगर पोश इलाके में आता है, वहां की जनता दे सकती है लेकिन नियम सभी के लिए एक जैसा ही बनेगा।

पार्षद पवन गौतम ने उठाई ऑडिट टीम बनाने की मांग

करंट क्राइम। हाउस टैक्स के विषय को लेकर सोमवार को नगर निगम की बैठक के दौरान पार्षद पवन गौतम ने नगर निगम के अधिकारियों और महापौर सुनीता दयाल से अपील की है कि नगर निगम में एक टैक्स ऑडिट टीम बनाई जाए। ताकि बढ़े हुए हाउस टैक्स के बोझ को कम किया जा सके और पारदर्शिता के साथ टैक्स की वसूली हो।

शीतल चौधरी ने कहा किस आधार पर बढ़ाया गया निगम में हाउस टैक्स

करंट क्राइम। पार्षद शीतल चौधरी ने सोमवार को नगर निगम के सदन में अधिकारियों से पूछा कि किस आधार पर हाउस टैक्स बढ़ाया गया था। यह जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। वहीं पार्षद अजय शर्मा ने कहा कि टैक्स पर लगातार गुमराह किया जा रहा था।

जब भाजपा के पार्षदों में वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर हुई नोक-झोंक

करंट क्राइम। सोमवार को नगर निगम में टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी तो इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के एक पार्षद वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे। उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग का खुद उनके पार्टी के पीछे बैठे वरिष्ठ और नए पार्षदों ने विरोध किया। उन्होंने जब यह काम बंद नहीं किया तो इस मामले में महापौर ने हस्तक्षेप किया और कहा कि सदन की रिकॉर्डिंग कैमरों से हो रही है मोबाइल से रिकॉर्डिंग ना की जाए।

निगम में लिया गया बढ़े हाउस टैक्स वापस लेने का फैसला, जनता की जीत : केडी त्यागी

करंट क्राइम। भाजपा के वरिष्ठ नेता केडी त्यागी ने बताया कि नगर निगम द्वारा जो हाउस टैक्स बढ़ा कर जनता पर बोझ डाला था। उसकी शिकायत पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी ने मजबूती से उठाई थी। इसका नतीजा यह है कि आज सदन में बढ़े हुए हाउस टैक्स को निरस्त किया गया। यह महापौर, जनप्रतिनिधियों की बहुत बड़ी जीत है। हाउस टैक्स निरस्त होना जनता के हित में है। वहीं पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी व महापौर सुनीता दयाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता पर आज जो नगर निगम द्वारा बोझ डाला गया था वह निरस्त किया गया, इसका हम स्वागत करते हैं। यह जनता की जीत है।

संपादकीय

युवको में अकेलापन बढ़ा

काफी समय से यह माना जाता रहा है कि बुजुर्गों में अकेलापन बढ़ गया है। इसका कारण संयुक्त परिवार का न होना, बच्चों का विदेश या बाहर के शहरों में बस जाना, रिटायरमेंट, जीवनसाथी का न रहना और दोस्तों से संपर्क टूटना आदि हैं, मगर अब नए शोध के अनुसार अकेलापन युवाओं को भी बहुत परेशान कर रहा है। यह असमय ही उन्हें मृत्यु की ओर धकेल रहा है। इसका एक कारण हमउम्र लोगों से कम संपर्क और परिवार से दूरी है।

नौकरियां भी अब ऐसी हो चली हैं, जहां युवा 24 घंटे के नौकर हैं। उन्हें हर हाल में टारगेट पूरे करने होते हैं। भले ही इसके लिए कितने ही घंटे काम क्यों न करना पड़े। इस अतिरिक्त व्यस्तता के कारण वे अपने आसपास और दोस्तों से कट रहे हैं। आपको अमेरिका में रहने वाले सर्वश्रेष्ठ गुप्ता का केस तो याद ही होगा। यह युवा बहुत तेजस्वी और मेधावी था।

अमेरिका के एक बड़े संस्थान में काम करता था। वह दफ्तर में 16–18 घंटे काम करता था, फिर भी अधिकारी कहते थे कि और करो। न उसके पास घर जाने का समय था और न ही सोने का। तब परिवार और दोस्तों के लिए समय कहां से आता। एक दिन इस युवा ने जिंदगी से हार मान ली। जिनके लिए 16–18 घंटे काम किया, उन्हें भला क्या फर्क पड़ा। उसकी जगह कोई और आ गया। कंपनियों का तो यह नियम ही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अपनों से कट जाने का मतलब एक तरह की असामयिक मृत्यु है। अकेलापन धूमपान करने से भी अधिक खतरनाक है। कुछ दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बढ़ते अकेलेपन पर चिंता प्रकट की। उसके अनुसार अकेलापन दुनिया में महामारी की तरह फैल रहा है। डाक्टरों का कहना है कि अकेलेपन के कारण लोगों को नींद नहीं आती। उन्हें तरह–तरह की समस्याएं होती हैं। अवसाद बढ़ता है। प्रतिरोधक प्रणाली कमजोर हो जाती है। मानसिक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। दिल की बीमारियों के खतरे बढ़ जाते हैं और तरह–तरह के रोग घेर लेते हैं। अकेलापन किसी गंभीर बीमारी जैसा ही खतरनाक है। अकेलापन हमारी भावनाओं पर आघात करता है। यह हमें हमेशा दुखी रखता है। दुखी होने से चिंता और तनाव बढ़ता है। यह जीवन की कठिनाइयों को बढ़ाता है। रही–सही कसर इंटरनेट मीडिया ने पूरी कर दी है। युवाओं का दफ्तर के कामकाज से जो समय बचता है, उसे वे इंटरनेट मीडिया पर खर्च करते हैं। इंटरनेट मीडिया भी तरह–तरह की प्रतिस्पर्धा से भरा है।

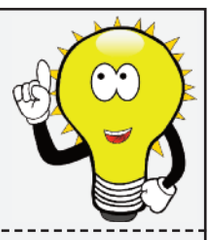

किसको कितनी रीच एवं लाइक्स मिले, यह एक चिंता का विषय बन जाता है। अकेलेपन के जो कारण बताए जाते हैं, उनमें बेरोजगारी और कम आय भी महत्वपूर्ण है। जो लोग नौकरी या अन्य किसी कारण अकेले रहते हैं, उनका अकेलापन भी बढ़ता है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोग भी अकेलेपन का शिकार होते हैं। बहुत से सामाजिक दबाव भी इसे बढ़ाते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बनी सहमति, ट्रंप की समयसीमा से एक दिन पहले हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली। भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। एक ओर दुनियाभर में दहशत है कि टैरिफ को लेकर ट्रंप अपनी नौ जुलाई की समयसीमा के बाद क्या करेंगे? वहीं दूसरी ओर अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की सभी शर्तों पर सहमति बन गई है। बताया जा रहा है कि इस समझौते का औपचारिक एलान ट्रंप की समयसीमा से एक दिन पहले आठ जुलाई को हो सकता है। इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वातार्कार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक दल वॉशिंगटन में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को निलंबित किए जाने की समयसीमा नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। इसे लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ हुई है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि नौ जुलाई के बाद वैश्विक टैरिफ से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद वह अधिकांश देशों पर टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक को बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे हैं।

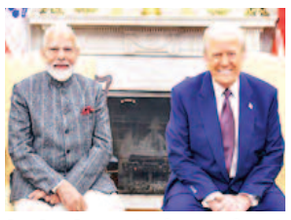

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 452 अंक टूटा

नई दिल्ली। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर आ गया। शेयर बाजार में पिछले चार दिनों की तेजी थम गई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452.44 अंक या 0.54 प्रतिशत गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 120.75 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ।

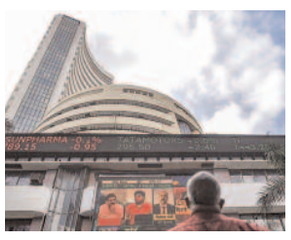

विदेशी वित्तीय संपत्तियों में रिकॉर्ड वृद्धि, आरक्षित परिसंपत्तियों और प्रत्यक्ष निवेश का अहम योगदान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत की विदेशी वित्तीय परिसंपत्तियों में 72 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। इसमें अकेले आरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक है। वहीं बाह्य वित्तीय देनदारियों में 74.2 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई।

भारत ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान अपनी विदेशी वित्तीय संपत्तियों में मजबूत वृद्धि देखी। यह मुख्य रूप से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, मुद्रा जमा और आरक्षित परिसंपत्तियों के कारण हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी है। आरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक आंकड़ों के विदेशी वित्तीय परिसंपत्तियों में कुल वृद्धि का 72 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तीन घटकों से आया है। इसमें अकेले आरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक है। आरक्षित परिसंपत्तियां वे संपत्ति हैं जिन्हें किसी व्यक्ति, कंपनी, या देश द्वारा भविष्य में उपयोग के लिए अलग रखा जाता है।

प्रत्यक्ष निवेश और जमाराशियों की अहम भूमिका

इसके अलावा प्रत्यक्ष निवेश के साथ–साथ मुद्रा और जमाराशियों ने भी विदेशों में रखी गई संपत्तियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रत्यक्ष निवेश का मतलब है किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा किसी दूसरे देश की कंपनी या परियोजना में लंबी अवधि के लिए सीधा निवेश करना, ताकि वह उस कंपनी में स्वामित्व या नियंत्रण प्राप्त कर सके।

वित्तीय देनदारियों में 74.2 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि

इसकी तुलना में इसकी बाह्य वित्तीय देनदारियों में 74.2 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। इस वर्ष के दौरान भारत पर गैर निवासियों के शुद्ध दावों में 31.2 अरब डॉलर की कमी आई है। बाह्य वित्तीय देनदारियों का मतलब है, किसी देश के नागरिकों, कंपनियों या सरकार द्वारा विदेशी व्यक्तियों, कंपनियों या संस्थाओं से लिए गए ऋण या निवेश जिनके बदले उस देश को भविष्य में भुगतान करना होता है।

रोचक तथ्यों का करंट

- एनबीसी और एटी एंड टी ने कारपोरेट और सरकारी धमकियों का इस्तेमाल एफएम रेडियो के आविष्कारक एडविन आर्मस्ट्रांग के जीवन को नष्ट करने के लिए किया, जिससे उनको आत्महत्या करनी पड़ी।
- लियो फेंडर, टेलीकास्टर और स्ट्रैटेकास्टर के आविष्कारक, गिटार नहीं बजा सकते थे।
- रॉबर्ट टेलर, साबुन–में–एक–पंप–बोतल (सोफ्टसओप) के आविष्कारक को पता था कि कोलगेट जैसे बड़े प्रतियोगियों अपने उत्पाद की प्रतिलिपि (नकल) करने का प्रयास करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे उसे प्रतिलिपि नहीं कर सके, उन्होंने अमेरिका में हर छोटी बोतल हाथ पंप (100 मिलियन बोतलों) खरीदा। इसके परिणामस्वरूप बाजार का एक वर्ष स्वयं को मिला।
- एडिसन ने साल 1903 में एक हाथी को बिजली का झटका दे दिया था ताकि टेस्ला के एसी करंट को खतरनाक साबित कर सके।
- बबल व्रैप के, अल्फ्रेड फील्डिंग और मार्क चावेंस आविष्कारक मूल रूप से 3 डी प्लास्टिक वॉलपेपर बनाने की कोशिश कर रहे थे, जो कि उनकी विफलता थी।

राशिफल

मेष: नौकरी में तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा और पदोन्नति के भी योग बनेंगे। मेष और सिंह का सहयोग ले सकते हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

वृष: नौकरी और व्यवसाय के लिए अनुकूल है और इस राशि से तृतीया का गोचर छात्रों को लाभ देगा। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। सफेद और नारंगी रंग शुभ हैं।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए धन और ऐश्वर्य देने वाला है। बिजनेस अपना फुल फॉर्म ले लेगा। परिवार के साथ यात्रा हो सकती है। नीला और हरा रंग शुभ हैं।

कर्क: इस राशि में सूर्य के गोचर से नौकरी में बहुत सुखद समाचार सुनने को मिल सकते हैं। आप हर कार्य में सफल होंगे। व्यापार में सफलता मिलेगी।

सिंह: इस सप्ताह व्यापार में विशेष प्रगति हो रही है। पैसों के खर्च को लेकर सावधान रहना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में सूर्य और चंद्रमा के गोचर से आपको लाभ हो सकता है।

कन्या: व्यापार बहुत अच्छा रहेगा। प्रतिदिन माता दुर्गा और शिव के मंदिर में जाकर उनका आशीर्वाद लें। पैसा आएगा। नौकरी में तरक्की की संभावना है।

तुला: नौकरी को लेकर कुछ तनाव रहेगा। शुक्र और चंद्रमा का गोचर व्यापार में लाभ प्रदान करेगा। हनुमान जी की पूजा करते रहें। मेष राशि के मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक: बैंकिंग से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आध्यात्मिक प्रगति से आप प्रसन्न रहेंगे। आप एक नई व्यावसायिक योजना पर निर्णय ले सकते हैं।

धनु: धन की प्राप्ति शुरू होगी। परिवार में कुछ तनाव हो सकता है। व्यापार में रुके हुए धन के आगमन से प्रसन्नता होगी। राजनीति में विशेष लाभ का योग है।

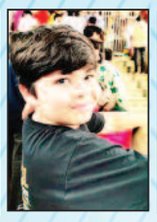

मकर: आपको आर्थिक सफलता मिलेगी। बैंकिंग, आईटी और टीचिंग में काम करने वालों की तरक्की होगी। हरा और बैंगनी रंग शुभ होता है।

कुंभ: शनि अभी इस राशि से बारहवें भाव में है। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। व्यापार से जुड़ा कोई नया काम शुरू होगा। भगवान शिव की नित्य पूजा करें। हरा शुभ है।

मीन: गुरु अभी इस राशि में है। नौकरी और व्यापार में आपको सफलता मिलेगी। सूर्य का पंचम गोचर अत्यंत फलदायी है। पैसों के लेन–देन के प्रति सचेत रहें।

चुटकुले

बेटा– पापा आप डॉक्टर कैसे बने?
पापा– बेटा, उसके लिये बहुत दिमाग की जरूरत पड़ती है
बेटा– हां, जानता हूं, इसीलिए ही तो पूछ रहा हूं कि आप डॉक्टर कैसे बने ..?
पापा– दे थप्पड़.....दे थप्पड़

संता (अपनी मम्मी से) – मां खुशखबरी है, हम दो से तीन हो गये हैं...
मां : बधाई हो बेटा, क्या हुआ है बेटा या बेटी?
संता– न बेटा और न बेटी, मैने दुसरी शादी कर ली है।

चेला– बाबा,दाहिने हाथ में खुजलाहट है।
बाबा– वत्स,लक्ष्मी आने वाली हैं।
चेला– दाएं पैर में भी खुजलाहट है।
बाबा– यात्रा योग बन रहा
चेला– पेट पर भी खुजलाहट है।
बाबा– उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी
चेला– गर्दन पर भी खुजलाहट है।
बाबा– दूर हट, तुझे खुजली की बीमारी है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

जिसने दर्द दिया वही अब इलाज कर रहा है : बसपा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स में बढ़ोतरी के फैसले को निरस्त किए जाने का सभी विपक्षी दलों ने स्वागत किया है। बसपा ने कहा कि यह फैसला पहले ही लिया जाना चाहिए था ताकि लोगों में गलतफहमी ना फैल सके। बसपा के वरिष्ठ नेता पंकज शर्मा ने कहा कि नगर निगम का फैसला उसे हिंदी मुहावरे को

चरितार्थ करता है जिसका मतलब है कि आप ही दुख देते हो और आप ही इलाज करते हो।

यदि किसी व्यक्ति को कोई चोट पहुंचती है फिर उसी चोट को ठीक करने का प्रयास करता है लेकिन तब तक उसे व्यक्ति को काफी नुकसान हो चुका होता है। उन्होंने कहा कि नगर युक्त या मेयर को स्पष्ट करना चाहिए कि यह फैसला स्थगित किया गया या निरस्त किया गया इसको लेकर अभी गलतफहमी है। इसे मैडम बना ही कहिए कि जहां एक व्यक्ति दोनों भूमिकाओं में है यानी दर्द देने वाला भी और दर्द दूर करने वाला भी। बसपा किसी भी सूरत में बड़े हुए हाउस टैक्स को स्वीकार नहीं कर सकती है। अगर फैसले को निरस्त नहीं किया जाता तो बसपा सड़कों पर आंदोलन करती।

कांग्रेस ने की 78 सदस्यों वाली महानगर कमेटी की घोषणा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला कांग्रेस कमेटी के गठन के बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने महानगर कमेटी की भी घोषणा कर दी महानगर कमेटी में कुल 78 कार्यकताओं को शामिल किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर त्रिलोक सिंह को नियुक्त किया गया।

इसके अलावा 22 कार्यकताओं को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई जिसमें विकास शर्मा को उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। अन्य उपाध्यक्षों में नरेंद्र चौधरी विकास शर्मा अमोल वशिष्ठ हाजी खलील विनोद शर्मा अर्पित अग्रवाल अमित शर्मा अली हसन विनोद शर्मा मोहम्मद हनीफ संजय शर्मा माया देवी जितेंद्र टांक चंद्र दिवाकर जगतार भट्टी शमसुद्दीन सैफी हरीश गोयल अमी चंद्रा खेड़ा सूर्यकांत

राकेश कुमार और प्यारे चौधरी शामिल है।

महासचिव पद पर सतीश गुप्ता अली हसन अमित सागर शिवकुमार शर्मा आशुतोष गौतम गोपाल भाटी लक्ष्मी वर्मा अब्दुल कादिर खान ब्रह्मपाल पाल पवन शर्मा रमित गर्ग मोहम्मद फहीम खान आबिद मलिक योगेश शर्मा प्रवेश यादव उदय पाल सिंह बबलू भारती विजेंद्र कुमार प्रधान योगेंद्र सिंह मोनिका स्वामी राम शर्मा राम प्रकाश कश्यप राखी चतुर्वेदी अनिकेत वर्मा और अमित बंटी को जिम्मेदारी दी गई। सचिव पद पर रवीश कुमार हाफिज सलमानी प्रिंस शर्मा अभिषेक पंचोली रिहान खान महकर सिंह प्रमोद सुनीता चौधरी राम भूल पाल शुभ भारद्वाज संजय सिंह रिंकू माथुर हरपाल सिंह डॉक्टर फूल सिंह बृजमोहन ईशान शर्मा राजेश कुमार राहुल गौतम सुरजीत शर्मा बलजीत भाटी रितेश कसाना माया भारती सीमा शर्मा राखी अलका शर्मा प्रियंका एंथोनी राशिद अली अधिवक्ता निकट वर्मा नितिन त्यागी चिराग सूरी शामिल है।

ट्रांस हिंडन आरडब्लूए फेडरेशन ने मिठाई बांटकर फैसले का स्वागत किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ट्रांस हिंडन आरडब्ल्यूए फेडरेशन ने नगर निगम बोर्ड बैठक में हाउस टैक्स बढ़ाने के फैसले को निरस्त किए जाने का स्वागत किया है। फेडरेशन के सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। फेडरेशन के अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल टीपीएस त्यागी ने स्पष्ट कहा था कि अगर फैसला वापस नहीं लिया गया तो 10 जुलाई से सभी आरडब्ल्यूए नगर निगम पर धरना । देंगे। इससे नगर निगम खासकर मेयर और पार्षदों पर दबाव बना। उन्होंने कहा कि रविवार को वसुंधरा की कई समिति की रवा की बैठक में नगर निगम से फैसला वापस लेने की अपील की गई थी। यह बहुत ही प्रशंसनीय फैसला है कि नगर निगम ने हाउस टैक्स बढ़ाने का फैसला वापस ले लिया। इससे जनता को अतिरिक्त बोझ से राहत मिलेगी।इस मौके पर सचिव रिचा त्यागी, विवेकानंद पोखरियाल, वीपी जोहरी डीपी गौड़, समीर श्रीवास्तव, एन के तिवारी, गजराज सिंह, एस मिश्रा मोहनचंद जोशी, आरके मित्तल, सी उमेश पांडे, राधाचरण, नवनीत शर्मा, एस शर्मा, श्रीदेवी पाल, कमलेश शर्मा, पिंकी त्यागी आदि उपस्थित थी।

एक शतक जड़ते ही विराट और सचिन को इस मामले में पीछे छोड़ देंगे पंत द्रविड़ का रिकॉर्ड भी खतरे में

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार से बर्मिंघम में खेला जाएगा। इसको लेकर भारतीय खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। लीड्स में हार के बाद भारत को वापसी करने के लिए यह टेस्ट जीतना होगा। हालांकि, बर्मिंघम में टीम इंडिया का पिछला रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। टीम ने आठ में से सात मैच गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ रहा है। हालांकि, शुभमन गिल अगला टेस्ट जीतकर इस मैदान पर जीत हासिल करने वाले पहले कप्तान बनना चाहेंगे। टीम को एक बार फिर ऋषभ पंत से काफी उम्मीदें होंगी। भारत जब पिछली बार इस मैदान पर उतरा था तो पंत ने शतक लगाया था। 2022 में खेले गए उस मुकाबले में पंत ने पहली पारी में 146 रन और दूसरी पारी में 57 रन बनाए थे। अब उनसे फिर से शतक की उम्मीद की जा रही है। अगर वह आगामी टेस्ट में एक शतक लगाते हैं तो विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर को दो अलग-अलग मामले में पीछे छोड़ देंगे। फिर उनसे आगे सिर्फ राहुल द्रविड़ रह जाएंगे।

दरअसल, पंत ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में कुल मिलाकर पांच शतक जड़े हैं। इनमें चार शतक पंत ने इंग्लैंड की धरती पर और एक शतक भारतीय सरजमीं पर लगाया है। अगर वह एक शतक लगाते हैं तो इंग्लैंड में द्रविड़ के बाद दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

वाणी जर्मन मास्टर्स गोल्फ में संयुक्त छठे नंबर पर रहीं, दीक्षा को मिला आठवां स्थान

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने अमूंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में निराशाजनक तीसरे दौर के बाद शानदार वापसी करते हुए अंतिम दौर में दो अंडर 71 के स्कोर के साथ अपने अभियान को संयुक्त छठे स्थान के साथ खत्म किया।

वाणी अक्तूबर 2022 के बाद एलईटी (लेडीज यूरोपीय टूर) पर पहली बार शीर्ष 10 में रही है। उन्होंने इससे पहले हीरो महिला इंडियन ओपन में संयुक्त आठवां स्थान हासिल किया था।

मौजूदा सत्र में अपना तीसरा टूर्नामेंट खेल रहीं वाणी ने इस सप्ताह 72, 70, 76, 71 के स्कोर के साथ कुल तीन अंडर का स्कोर बनाया। भारत की दीक्षा डागर भी संयुक्त आठवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में रही। दीक्षा ने चौथे दिन एक ओवर 74 का कार्ड खेला। शुरूआती दो दिनों में 69, 73 का कार्ड खेलने के

बाद दीक्षा शीर्ष पांच में थी लेकिन तीसरे और चौथे दौर में 74, 74 के कार्ड के बाद वह संयुक्त आठवें स्थान पर खिसक गयी। कट में प्रवेश करने वाली एक अन्य भारतीय अवनि प्रशांत पार 73 के कार्ड के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर रही। अवनि ने शुरूआती तीन दौर में 73, 74, 74 के कार्ड खेले थे।

सिंगापुर की शैनन टैन अंतिम दिन तीन ओवर 76 का कार्ड खेलने के बावजूद एक शॉट से जीत हासिल करने में सफल रही। शैनन का एलईटी पर यह दूसरा खिताब है। शैनन (70,69,68,76) ने जर्मनी को हेलन ब्रीम (68, 70, 73, 73) को करीबी मुकाबले में पछाड़कर खिताब जीता।

स्टीव स्मिथ विंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए तैयार, चोट की वजह से पहला मैच नहीं खेले थे

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने दाएं हाथ की छोटी उंगली पर लगी चोट से उबरने के लिए बेसबॉल का सहारा लिया और अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। स्मिथ को इस महीने की शुरूआत में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान पहली स्लिप में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा का मुश्किल कैच लेने की कोशिश करते समय दाहिने हाथ की छोटी अंगुली में चोट लग गई थी।

इस 36 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने घाव को साफ करने, टांके लगाने और अंगुली में पट्टी लगाने के बाद तुरंत लंदन छोड़ दिया। चोट के अपने आप ठीक होने का इंतजार करने के बजाय उन्होंने न्यूयॉर्क में बेसबॉल केज में जाने का फैसला किया, जहां उनका एक अपार्टमेंट है। चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 159 रन जीता था।

न्यूयॉर्क में उन्होंने सख्त क्रिकेट गेंद का सामना करने से पहले नेट पर टेनिस गेंद और अन्य हल्की गेंदों से अभ्यास शुरू किया। ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने स्मिथ के हवाले से कहा, 'मेरे दोस्त ने मुझे इसके बारे में बताया, जो कि आदर्श था, क्योंकि वहां (न्यूयॉर्क में) मौसम काफी गर्म था। मैंने बेसबॉल केज में अभ्यास किया जिससे मुझे जल्दी ठीक होने में मदद मिली।' बेसबॉल केज एक जालीदार घेरा होता है, जो क्रिकेट के नेट जैसा ही होता है। बेसबॉल खिलाड़ी इसका उपयोग हिटिंग का अभ्यास करने के लिए करते हैं। स्मिथ ने अपनी बल्लेबाजी की फुटेज ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ को भेजी, जो उनकी प्रगति से खुश है।

जूनियर हॉकी विश्व कप में 24 टीमें खेलने पर आया श्रीजेश का बयान, नए प्रारूप पर भी रखी राय

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के पीआर श्रीजेश का कहना है कि नए प्रारूप में जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में खेलना शानदार होगा और असली टूर्नामेंट क्वार्टर फाइनल से शुरू होगा। भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जिसके मुकाबले 28 नवंबर से लेकर 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेले जाएंगे। पहली बार विश्व कप में 24 टीमें भाग लेंगी जबकि पहले 12 टीमें होती थी। वर्ष 2001 से यह 16 टीमों का टूर्नामेंट होता आया है।

श्रीजेश बोले- मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे

श्रीजेश ने कहा, हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे। अधिक से अधिक अंक लेने की कोशिश करेंगे जिससेकि क्वार्टर फाइनल में अच्छा स्थान मिले। पहली बार जूनियर हॉकी विश्व कप में 24 टीमें खेल रही है। हम उसके अनुसार ही रणनीति बनाकर तैयारी कर रहे हैं। नए प्रारूप में खेलना रोचक होगा। पूल बी में पाकिस्तान, चिली और स्विटजरलैंड से अच्छी चुनौती मिलेगी। पाकिस्तान के खिलाफ मैच रोचक होगा लेकिन टूर्नामेंट की शुरूआत क्वार्टर फाइनल से होगी।

पूल बी में शामिल है भारत

नए प्रारूप में टीमों को छह पूल (ए से एफ) में बांटा जाएगा और हर पूल में चार टीमें होंगी। ग्रुप की विजेता छह टीमें और दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। भारत को पूल बी में पाकिस्तान, चिली और स्विटजरलैंड के साथ रखा गया है।

पिछली बार 2023 जूनियर विश्व कप में भारत चौथे स्थान पर रहा था। भारत ने 2001 में होबर्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। जर्मनी सात बार खिताब जीत चुकी है और गत चैंपियन भी है।

अगले साल रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, क्लब वर्ल्ड कप नहीं खेलने की वजह भी बताई

फीफा विश्व कप। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं। रोनाल्ड अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे।

रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, 'मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं। यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है।'

उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, 'इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं।' 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में

मदद की थी।

इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं।

रोनाल्डो तीन साल पहले कतर में पांच विश्व कप में गोल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। पांच बार के 'बेलोन डी ओर' विजेता का अल नस्र के साथ अनुबंध विस्तार का मतलब है कि वह कम से कम 42 साल की उम्र तक खेलना जारी रखेंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम को चीन ने 2-3 से दी मात, एफआईएच प्रो लीग में आठवीं हार मिली

नई दिल्ली। एफआईएच प्रो लीग से पहले ही बाहर हो चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को दो बार एक गोल की बढ़त गंवाने के बाद चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की इस प्रतियोगिता में यह लगातार आठवीं हार है। भारत इस हार के बाद 16 मैचों में 10 अंकों के साथ नौ टीमों की तालिका में सबसे नीचे रहा। आखिरी स्थान पर रहने के कारण भारतीय महिला टीम शीर्ष स्तर के प्रो लीग से दूसरे स्तर की वैश्विक टूर्नामेंट नेशंस कप में रेलीगेट हो गयी। सुनेलिता टोप्पो (नौवें मिनट) और रुतुजा पिसल (38वें) ने भारत के लिए गोल किये जबकि झांग यिंग (19वें, 39वें) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त को खत्म किया और फिर जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल कर चीन की जीत पक्की कर दी।

'अब ज्यादा महत्वाकांक्षी, जल्द से जल्द...'

उजचेस कप जीतने पर बोले भारत के नंबर-एक प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने पिछले खराब सत्र के बाद इस साल तीन बड़े खिताब अपने नाम किए हैं और रविवार को उन्होंने बढ़ते आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा को इसका श्रेय देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य जल्द से जल्द कैंडिडेट्स स्थान पक्का करना है। प्रज्ञानंद में सर्वश्रेष्ठ को हराने की काबिलियत थी लेकिन निरंतरता की कमी थी। पर उन्होंने आखिरकार साल की शुरूआत में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स जीतने के दौरान निरंतरता हासिल की।

बुकारेस्ट में सुपरबेट क्लासिक और हाल में उजचेस कप मास्टर्स के रूप में उन्होंने दो और क्लासिकल खिताब अपने नाम किए। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने कहा, 'मैं पिछले वर्ष जितने मैच जीतना चाहता था, उतने नहीं जीत पाया। लेकिन अब मैं पहले की तुलना में आत्मविश्वास से भरा हूं और अधिक महत्वाकांक्षी हूं। उम्मीद है कि मैं कैंडिडेट्स में जगह बना लूंगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या यह परिपक्वता की वजह से है तो उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'नहीं पता कि इसका जवाब कैसे दूं। मैं हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं और इस साल अब तक मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है।' ऐसा लगता है कि इस युवा खिलाड़ी ने कैंडिडेट्स में जगह बनाने का रास्ता बना लिया है और उन्हें इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह सुरक्षित रखने का पूरा भरोसा है।

प्रज्ञानंद ने कहा, 'निश्चित रूप से मैं अभी मौजूदा समय में कैंडिडेट्स स्थान के लिए दौड़ में सबसे आगे हूं। लेकिन दिसंबर तक काफी चुनौती रहेगी। मुझे लगता है कि मैं ग्रैंड स्विस और विश्व कप भी खेलूंगा। इसलिए अगर मैं उनमें से किसी एक में जगह बना पाता हूं तो यह बेहतर होगा क्योंकि मुझे दिसंबर तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।' विश्व चैंपियन गुकेश और अर्जुन एरिगेसी को पछाड़कर फिडे रेटिंग में चौथे नंबर पर सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय बनने वाले प्रज्ञानंद ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं गुकेश से शायद एक अंक आगे हूं। मुझे नहीं लगता कि इससे कोई बड़ा अंतर पड़ता है।'

उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं टूर्नामेंट जीतने के बारे में सोचता हूं क्योंकि यह ज्यादा विशेष होता है। और मैं एक बार में एक टूर्नामेंट के बारे में ही सोचता हूं। और जब मैं अच्छा करता हूं तो मैं बस इसके बारे में खुश होता हूं। इसलिए मेरे लिए यही सब मायने रखता है, लेकिन मुझे लगता है कुल मिलाकर हम (भारतीय) अच्छा कर रहे हैं। गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती, पिछले साल उनका प्रदर्शन शानदार रहा, उन्होंने ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने कैंडिडेट्स जीता। और अर्जुन ने पिछले साल असाधारण प्रदर्शन करते हुए 2800 अंक पार किए। हम एक-दूसरे को प्रेरित भी कर रहे हैं।'

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

दूसरे टी20 में होगी हरमनप्रीत कौर की वापसी?

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था। अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी। ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है। पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी।

अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हुई थीं हरमनप्रीत

नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था।

भारत की गेंदबाजी के आगे पस्त हुई इंग्लैंड की टीम

मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब

नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए।

पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरूआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया।

भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी। हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। यह सीरीज निश्चित रूप से भारत की युवा खिलाड़ियों को अगले साल इंग्लैंड में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों का जायजा लेने में मदद करेगी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में हालांकि समीकरण बदलने में देर नहीं लगती और इसलिए भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा क्योंकि इंग्लैंड की टीम वापसी करने के लिए बेताब होगी।

यह है भारतीय जनता पार्टी : जगदीश चंद साधना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मैंने अभी-अभी व्हाट्सअप पर देखा के गाजियाबाद की जनता के लिए बहुत बड़ी राहत भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित जनप्रतिनिधि और उत्तर प्रदेश सरकार के अंदर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, अजीत पाल त्यागी (विधायक), महापौर सुनीता दयाल और हमारे ऊर्जावान महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल व अन्य जन प्रतिनिधियों ने कहा कि गाजियाबाद की जनता पर 1 रुपया भी टैक्स नहीं बढ़ेगा और मेरी स्वयं बात सुनील कुमार शर्मा से हुई और उन्होंने मुझे बताया कि जो आपने सुना है वह 100 प्रतिशत सही है और सुनील शर्मा ने साफ शब्दों में कहा है कि अभी कोई हाउस टैक्स नहीं बढ़ेगा। मैं एक जिम्मेदार नागरिक होने व भारतीय जनता पार्टी का कर्मठ सिपाही होने क नाते सभी जन प्रतिनिधियों का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं और सभी का धन्यवाद् भी करता हूं।

शहर की जनता को बढ़े हाउस टैक्स से मिली बड़ी राहत: शिल्पा चौधरी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार नगर निगम की आयोजित बोर्ड बैठक में पार्षद शिल्पा चौधरी ने हाउस टैक्स में की गई भारी वृद्धि का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आम जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने वाला है। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर निगम को अपने निर्णयों में जनता की भागीदारी और सहमति का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के नाम पर जनता की जेब काटना स्वीकार्य नहीं है। पार्षद शिल्पा चौधरी ने यह विरोध जनहित में दर्ज कराते हुए कहा कि वे भविष्य में भी जनता के हमेशा साथ खड़ी रहेंगी।

हाउस टैक्स निरस्त का फैसला जनता के हित में: श्रीभगवान अग्रवाल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार को नगर निगम सभागार में बोर्ड बैठक के दौरान पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने कहा कि वे बढ़े हुए हाउस टैक्स का पूरा विरोध करते हैं। उन्होंने सभी पार्षदों के साथ विरोध का पत्र भी जारी किया था। उन्होंने बताया जो निगम में हाउस टैक्स पर छूट दी थी, 25 % और 20% की उसे लोगों को बताने में नगर निगम के अधिकारी असहमत दिखाई दिए। आज जनप्रतिनिधियों व महापौर के सहयोग से हाउस टैक्स निरस्त किया गया। यह एक जनता के हित में फैसला है। इसमें पार्षदों की मेहनत रंग लाई है, यदि आगे भी टैक्स बढ़ेगा तो उसका पूरा विरोध किया जाएगा।

हाउस टैक्स निरस्त का किया स्वागत: मदन राय

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार को नगर निगम बोर्ड बैठक के दौरान हंगामा के बीच शुरू हुई। पार्षद मदन राय ने बताया कि उन्होंने सदन में खुलकर बढ़े हुए टैक्स का विरोध किया। सभी जनप्रतिनिधियों की अध्यक्षता में नगर निगम सदन में आज हाउस टैक्स निरस्त हुआ है इसका हम स्वागत करते हैं। यह एक जनता की बहुत बड़ी जीत है। सभी पार्षदों की मेहनत रंग लाई। हाउस टैक्स का प्रस्ताव जनविरोधी था, इसमें कोई शक नहीं, पर अब यह भी ध्यान देना है कि ऐसा जनविरोधी फैसला दुबारा न लिया जाय। उन्होंने ने महापौर व नगरायुक्त की सहयोग से बढ़े हुए हाउस टैक्स निरस्त हो गए। सभी पार्षद की मेहनत रंग लाई।

जनता पर डाला गया आर्थिक बोझ हुआ निरस्त: राजकुमार भाटी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद राजकुमार भाटी ने बताया कि बढ़े हाउस टैक्स का सदन में पूरा विरोध किया। पहले भी टेक्स का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेरे वार्ड में दो बड़े सेक्टर हैं जिनमें 100% तक टैक्स वसूला जाता है। जनता समय से हाउस टैक्स जमा करती है। वार्ड में दो ऐसे सेक्टर है। जिसमें नगर निगम एक रुपए का काम नहीं करती। फिर भी टैक्स वसूला जा रहा है। इस बात को लेकर जनता में भारी रोष है। आज बोर्ड बैठक में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से सदन में आज हाउस टैक्स निरस्त किया गया है। यह एक बहुत बड़ा फैसला है अब जनता पर आर्थिक बोझ नहीं डाला जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की एकजुटता के चले हाउस टैक्स निरस्त: कविता भाटी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार को महापौर की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में सभी पार्षदों व जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर जनता की आवाज को बुलंदी से उठाया गया। वही जनप्रतिनिधियो की एकजुटता के चलते नगर निगम को बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वापस लेना पड़ा। इस मौके पर उन्होंने महापौर, सांसद, कैबिनेट मंत्री, विधायक सहित सभी का आभार व्यक्त किया। पार्षद कविता भाटी ने कहा कि महापौर द्वारा जो विशेष सदन बुलाया गया और सभी जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के चले बढ़े हुए हाउस टैक्स विरोध किया। यह जनप्रतिनिधियों की एकजुटता का नतीजा है कि आज सदन में बढ़ा हुआ हाउस टैक्स निरस्त हो गया, यह जनप्रतिनिधियों की जीत है।

बड़े हुए हाउस टैक्स पर हम तो शुरू से ही जनता के साथ: नरेश भाटी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद नरेश भाटी ने बताया कि नगर निगम द्वारा जो हाउस टैक्स बढ़ाया गया था, हम तो शुरू से ही इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं और जनता के हित के फैसले में ही हमेशा जनता के साथ खड़े हैं। यदि नगर निगम 10% के हिसाब से हाउस टैक्स बढ़ती रहती तो आज जनता पर चार गुणा हाउस टेक्स का बोझ नहीं डाला जाता और ना ही विरोध होता। एकदम से चार गुणा हाउस टैक्स बढ़ने से जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया है, जिसका खुलकर विरोध किया है। आज सदन में सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हाउस टैक्स निरस्त हुआ है, जिसका हम स्वागत करते हैं। पार्षद नरेश भाटी ने बताया कि पार्षद को जानता ही चुनती है और जनता के हित में ही हमेशा काम करने चाहिए। जनता हाउस टेस्ट का विरोध कर रही है तो पार्षद का भी कर्तव्य बनता है वह अपने हमेशा जनता के साथ खड़ा रहे।

सदन की एकजुटता के चलते हाउस टैक्स हुआ निरस्त: राधेश्याम त्यागी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि सदन की एकजुटता के कारण ही आज हाउस टैक्स निरस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि हाउस टैक्स जो जनता पर चार गुना नगर निगम द्वारा बढ़ाया गया था। उसका सभी पार्षद व जनप्रतिनिधियों ने खुलकर विरोध किया है, जिसका नतीजा रहा कि आज हाउस टैक्स सदन में निरस्त हुआ है। पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया जनता के द्वारा चुना गया जनप्रतिनिधि हमेशा जनता के हित में ही बात करेगा। यदि जनता पर कोई आर्थिक बोझ डालेगा तो वह बर्दाश्त नहीं होगा और ना ही अधिकारियों की मनमानी चलेगी। हम हमेशा जनता के साथ है और रहेंगे।

जनता की एकजुटता के चले हुआ हाउस टैक्स निरस्त: अरविंद चौधरी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व पार्षद अरविंद चौधरी ने बताया कि हाउस टैक्स निरस्त होना यह जनता की एकजुटता का परिणाम है, मेरे द्वारा पहले भी जनता के साथ मिलकर इसका पूरा विरोध किया गया था। और सभी के दबाव, जागरूकता और एकजुटता काम आई। नगर निगम ने हाउस टैक्स में की गई भारी वृद्धि का प्रस्ताव वापस ले लिया है। यह फैसला जनता की आवाज सुनकर लिया गया है। मैंने इस मुद्दे को शुरू से ही जोरदार तरीके से उठाया, चाहे वो नगर निगम हो या जनता के बीच जागरूकता फैलाना। यह जीत जनता की एकजुटता का ही परिणाम है। आप सबका धन्यवाद कि आपने इस अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की।

10% हाउस टैक्स बढ़ाने के पक्ष में चार गुना का विरोध: राहुल शर्मा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद राहुल शर्मा ने कहा कि नगर निगम सदन में सम्मानित सदन केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, संसद अतुल गर्ग, मेयर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, के समक्ष बढ़ते हुए टैक्स का अपना विरोध करता हु। नगर निगम द्वारा 10% हाउस टैक्स बढ़ाने के पक्ष में ना की चार गुणा हाउस टैक्स बढ़ाया जाए। और उन्होंने कहा कि हाउस टैक्स छूट का टाइम बढ़ाया जाए, और न कोई रूठे ओर न कोई छूटे । पार्षद राहुल शर्मा ने बताया कि आज विशेष सदन में सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष हाउस टैक्स पर जो चर्चा की गई। वह सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बढा हुआ हाउस टैक्स निरस्त किया गया है, यह जनप्रतिनिधियों की जीत का नतीजा है।

निवाड़ी में बनेगा विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त शूटिंग रेंज

इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के मानकों के आधार पर होगा निर्माण : अतुल वत्स

गाजियाबाद, करंट क्राइम। निवाड़ी की दस एकड़ जमीन पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अति आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्व स्तरीय क्लास शूटिंग रेंज का निर्माण कराएगा। ये शूटिंग रेंज इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के मानकों को ध्यान में रखते हुए बनेगा। वह भी ऐसा कि जो आने वाले वक्त में शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए हब बने। जहां पर प्रशिक्षण प्राप्त चैम्पियन दुनिया में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रदेश सरकार की खेलों को बढ़ावा देने की योजना के मद्देनजर तैयार किया जाएगा।

परिसर में इंटीग्रेटिड बहुउद्देशीय हॉल, एथलीट के लिए हॉस्टल और स्पोर्ट्स के दूसरे साधन एक ही छत के नीचे होंगे उपलब्ध

करंट क्राइम। यही नहीं दस एकड़ में विकसित किए जाने वाले शूटिंग रेंज में चारों तरफ न केवल रनिंग ट्रेक की सुविधा उपलब्ध होगी बल्कि परिसर में इंटीग्रेटिड मल्टी परपज हॉल, एथलीट के लिए हॉस्टल और स्पोर्ट्स के दूसरे साधन एक ही परिसर में उपलब्ध होंगे। इस शूटिंग रेंज का निर्माण टेंडर की प्रक्रिया अपनाते हुए ऐसी एजेंसी से निर्माण कराया जायेगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शूटिंग रेंज के निर्माण का अनुभव प्राप्त हो। निवाड़ी में बनने वाले शूटिंग रेंज का रखरखाव और संचालन के दायित्व पीपीपी मॉडल पर किया जाएगा।

शूटिंग रेंज में तैयार होंगे विश्व स्तरीय खिलाड़ी : अतुल वत्स

करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि शूटिंग रेंज के निर्माण का उद्देश्य गाजियाबाद और आस-पास के युवा न केवल प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकेंगे बल्कि आने वाले वक्त में गाजियाबाद के साथ प्रदेश और देश का डंका दुनिया के दूसरे मुल्कों में बजा सकें। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज और उसमें प्रस्तावित दूसरी अति आधुनिक सुविधाओं के मद्देनजर लागत का आकलन कराया जा रहा है। अतुल वत्स ने कहा कि इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के मानकों के आधार पर होगा निर्माण।

रईस अहमद अल्वी बनें सुन्नी शहर मोहर्रम कमेटी के चेयरमैन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रईस अहमद अल्वी को सुन्नी शहर मोहर्रम कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। कमेटी द्वारा उन्हें पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। रईस अहमद शहर ताजियेदार कमेटी से भी जुड़े रहे हैं। उन्हें हाजी चमन के स्थान पर मोहर्रम कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। रईस अहमद अल्वी ने कहा कि वह हमेशा कमेटी के नियमों का पालन करते हुए कार्य करेंगे और सभी को साथ लेकर चलेंगे।

बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में हुई मीटिंग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद की शैक्षिक योजनाओं और गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में सर्वप्रथम विद्यालयों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई। नामांकन में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए और नामांकन प्रतिशत बढ़ाने हेतु ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

विद्यालय कायाकल्प योजना के तहत दिए गए निर्देश

करंट क्राइम। विद्यालय कायाकल्प योजना के तहत शत-प्रतिशत मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने ब्लॉकों के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का अद्यतन डाटा तैयार कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा विद्यालयी शिक्षा से वंचित न रहे। साथ ही विद्यालयों की पेयरिंग प्रक्रिया में संसाधनों एवं आधारभूत संरचनाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिन विद्यार्थियों के पास आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र नहीं हैं, उनकी सूची उपजिलाधिकारी कार्यालय को भेजी जाए। जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध हैं, उनके आधार कार्ड शीघ्र बनवाए जाएं।

'चिम्पल ऐप' की प्रक्रिया पर डाला गया प्रकाश

करंट क्राइम। बैठक के दौरान संपर्क फाउंडेशन द्वारा परिषदीय विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट टीवी व अन्य डिजिटल डिवाइसेस की वर्तमान स्थिति एवं उपयोगिता पर प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त, 'चिम्पल ऐप' के माध्यम से बच्चों को होमवर्क देने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया, जिसे प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिए गए।

'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल नवाचार को प्राथमिकता दी जाए'

करंट क्राइम। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों के हस्तांतरण, डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) की प्रगति, जर्जर भवनों की नीलामी तथा पुनर्निर्माण से संबंधित बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव ने इन सभी मुद्दों पर संतोषजनक जानकारी प्रदान की, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी खंड शिक्षा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, जिला समन्वयक, एस.आर.जी., निपुण सेल के प्रतिनिधि, संपर्क फाउंडेशन तथा चिम्पल ऐप से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल नवाचार एवं विद्यालयीय अवस्थापना सुधार को प्राथमिकता दी जाए ताकि जिले में आधारभूत शिक्षा की स्थिति और सशक्त हो सके।

संदर्शिका उठाइए, निपुण बनाइए!

कक्षा 1 व 2 के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनपद गाजियाबाद में निपुण भारत मिशन को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षकों को संदर्शिका के उपयोग में दक्ष बनाने के उद्देश्य से कक्षा 1 व 2 के शिक्षकों के लिए एक दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन जिला एकेडमिक टीम द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को निपुण भारत के लक्ष्यों, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में संदर्शिका की भूमिका, कक्षा-कक्षीय गतिविधियों की रूपरेखा, मूल्यांकन विधियों एवं बच्चों के समग्र विकास हेतु आवश्यक रणनीतियों पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निपुण सेल, एसआरजी सदस्यों एवं एआरपी विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों का संचालन करते हुए शिक्षकों को संदर्शिका के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराया।

कार्यशाला में सहभागिता कर रहे शिक्षकों

ने भी अनुभव साझा किए और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। 'संदर्शिका शिक्षक की कक्षा में दिशा और गति दोनों तय करती है। यह कार्यशाला शिक्षकों को उसे सही रूप में समझने और अपनाने में सहायक सिद्ध होगी,' — ऐसा कहना था जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ पी यादव का।

कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा में अधिगम के स्तर को सुदृढ़ करना

करंट क्राइम। कार्यशाला का उद्देश्य न केवल शिक्षकों को सशक्त बनाना था, बल्कि कक्षा में अधिगम के स्तर को भी सुदृढ़ करना है, ताकि प्रत्येक बालक-बालिका निपुणता की ओर एक ठोस कदम बढ़ा सके। प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए समस्त शिक्षा अधिकारीगणों का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सर्वेश कुमार, जमुना प्रसाद, डॉ अभिषेक यादव, महिमा दयाल, विश्वजीत सिंह राठी, इश्क लाल द्वारा भी शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया गया।

जल्द मिलेंगे तीन नए थाना प्रभारी

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम से 152 टू-स्टारों को जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। साहब के साइन से जारी आदेश के बाद अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में तीन थानों के लिए नए फेस की सर्चिंग शुरू हो गई है। सूत्रों ने बताया है कि इसमें दो थाने देहात जोन वाले हैं जबकि एक थाना नदिया पार का भी है। वहीं अब देखना होगा की इन तीन थाने में एक थाने पर महिला को चार्ज दिया जाएगा या कोई नया फैसला आएगा। तो वहीं दो पर पुरुष दावेदार पहुंचेंगे। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में चर्चा है कि अब इन दो अन्य थानों पर थानाध्यक्ष पहुंचेंगे या थाना प्रभारी का नंबर आएगा। यानी थाने पर थ्री-स्टार को कमान मिलेगी या टू-स्टरों से ही काम चलेगा। उधर सूत्र बता रहे हैं कि तीनों थानों के लिए उपयुक्त फेस तलाशे जा रहे हैं। वहीं सुनने में आ रहा है कि इसमें कास्ट फैक्टर भी देखने को मिलेगा। तो वही खास कार्यालय में ड्यूटी करने वाले किसी फेस को मौका भी मिलेगा। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्र बता रहे हैं कि जल्द ही इन तीन थानों के लिए लिस्ट जारी की जा सकती है। इस लिस्ट से साफ होगा कि आने वाले दिनों में थ्री-स्टार थानों पर अधिक रहेंगे या टू- स्टार का नंबर बढ़ेगा। देखना होगा कि कौन सी महिला टू या थ्री-स्टार को थाने वाली कमान दी जाती है और किसे अभी वेट करना पड़ेगा। उधर सूत्रों पर भरोसा करें तो जिन पुलिसकर्मियों को रवाना करने के आदेश है, दो दिन बाद उनको क्रॉस चेक भी किया जाएगा। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि इस लिस्ट में कई और बदलाव देखने को भी मिल सकते हैं क्योंकि कांवड़ यात्रा से पूर्व यह है अंतिम लिस्ट है। इसके बाद बदलाव वाला सिलसिला कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद ही शुरू होगा। इस लिस्ट में क्या केवल टू-स्टार ही मौका पाएंगे या थ्री-स्टार के अलावा एसीपी स्तर के कुछ फेस बदले जाएंगे। इस पर भी फिलहाल पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नजरे जमी हुई हैं। बताया जा रहा है कि तीन एसीपी इन दिनों साइड लाइन माने जाने वाली पोस्टिंग पर हैं। देखना होगा उनमें से किसी को मौका मिलता है या अभी वह अपनी नई पारी के लिए वेट ही करेंगे। कुल मिलाकर एक से दो दिन के अंदर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में लोकल स्तर की ट्रांसफर लिस्ट आने वाली है।

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने किया विकास कार्य का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। रविवार इंदिरापुरम के वार्ड 57 न्याय खंड 2 में जनता ऑप्टिकल से साइबर कैफे होते हुए शिव मंदिर तक इंटरलॉकिंग टाइल का सड़क बने के कार्य का नारियल तोड़कर पार्षद राधेश्याम त्यागी ने उद्घाटन किया।

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने कहा कि बरसात का पानी खड़ा होने से लोगों को परेशानी होती थी, अब यह सड़क जलभराव की समस्या से भी निजात मिलेगी। पार्षद ने कहा कि वार्ड में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। वहीं पार्षद द्वारा एक पेड़ मां नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर विनय कुमार तिवारी, सुमित शर्मा, किशोर ठाकुर, मदनपाल शर्मा, सिंटू त्यागी, सेलेक चंद त्यागी, राजेश चतुर्वेदी, चंद्रप्रकाश देव मास्टर, अंकुर त्यागी, सचिन राघव आदि लोग मौजूद रहे।

इंदिरापुरम मंडल में कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा इंदिरापुरम मंडल के कार्यकर्ताओं ने न्यायखंड-3 के मन की बात कार्यक्रम इंदिरापुरम संयोजक अनिल मेहंदी रत्ता के कार्यालय पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी। इस दौरान मुख्यरूप से योगेश त्रिपाठी, आशा शर्मा, रुचि गर्ग, सरदार सिंह भाटी, अजय शुक्ला, कपिल त्यागी उपस्थित रहे। मन की बात सुन रहे कार्यकर्ताओं में मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को तेजी से आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उनका सपना है कि देश का कोई भी व्यक्ति किसी तरह के लाभ से वंचित नहीं रहे। इसी सिद्धांत के तहत उनका कार्यकाल 11 साल बेमिसाल रहा। योगेश त्रिपाठी, आशा शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को हर गांव, शहर तक लोगों को अवगत करा रहे हैं। इस मौके पर मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत पौधरोपण किया गया।

मनोज कुमार राय बने कांग्रेस विधिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांग्रेस ने रविवार को गाजियाबाद जिले के लिए विधिक विभाग की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। अधिवक्ता मनोज कुमार राय को कांग्रेस विधिक विभाग का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। यह घोषणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पश्चिम उत्तर प्रदेश विधिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अशोक कुमार, जिला महासचिव सविता गौतम और कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा के सहमति से की। नियुक्ति के पश्चात विधिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अधिवक्ता मनोज कुमार राय ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है उसे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ पूरा किया जाएगा। विधिक मोर्चे पर पार्टी को और मजबूत किया जाएगा। इस मौके पर अधिवक्ता आसिफ अली मोहम्मद फाजिल नसीम खान यूनिस खान आदि ने उन्हें बधाई दी।

आईवीआरई 136 वर्षों की साधना प्रेरणास्रोत...

संवेदनाओं को विज्ञान से जोड़ते हैं वैज्ञानिक

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आप जैसे वैज्ञानिक मूक पशुओं की आवाज बनते हैं। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को पदक और उपाधियां वितरित कीं।

मुख्यमंत्री ने बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था। यहां सात प्राचीन नाथ मंदिर हैं, जिन्हें नाथ कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। बाबा अलखनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ, मढ़ीनाथ, धोपेश्वरनाथ और श्री पशुपातिनाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की शृंखला बरेली को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं आईवीआरआई ने इसे आधुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है।

'हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है आईवीआरई' सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर दो लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई की प्रतिबद्धता यह दिखाता है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है। शोधकताओं को दिया ये संदेश दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन आपके जीवन का एक नया अध्याय है। यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि समाज को आपकी सेवा समर्पित करने की शपथ है।

कृषि शिक्षा को ग्रामीण जरूरतों से जोड़ें- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राएं अपने-अपने विभागों में अच्छा कार्य कर रहे हैं और जिसने श्रेष्ठ कार्य किया है, उसे मेडल अवश्य मिलना चाहिए, परंतु पुरस्कार न मिलने वालों को निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने कृषि शिक्षा को ग्रामीण जरूरतों से जोड़ने की अपील करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और ग्रामीण सहभागिता जरूरी है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्वालिटी एजुकेशन के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपने विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाना है।

संस्थान ने लंपी से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई- योगी

सीएम योगी ने कहा कि लंपी स्किन डिजीज की दूसरी लहर के दौरान जब गोवंश बुरी तरह प्रभावित हुआ, तब आईवीआरआई द्वारा विकसित टीके ने उत्तर प्रदेश को संक्रमण से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों को उनके मूक प्राणियों की सेवा के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी खोजों ने किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। पशुधन की उन्नत नस्ल देकर अन्नदाता को सशक्त किया है। आईवीआरआई की 136 वर्षों की यह साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

बारिश से दिल्ली-एनसीआर हुआ पानी-पानी

9 दिन पहले ही पूरे देश में छा गया मॉनसून

नई दिल्ली। करंट क्राइम। सोमवार को पूरे देश में मॉनसून पहुंच गया। 2020 के बाद यह पहला मौका है जब मानसून ने इतनी जल्दी पूरे देश को कवर किया। 2020 में मानसून ने 26 जून तक पूरे भारत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। इसी के साथ, मॉनसून ने दिल्ली को भी कवर कर लिया। देश की राजधानी दिल्ली में रहने वाले लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। रविवार को ही मानसून ने राष्ट्रीय राजधानी में दस्तक दे दी थी । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 29 जून को राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के बाकी हिस्सों में दस्तक दी है। इसके पूरे भारत में मानसून की वजह से बारिश देखने को मिली है। बता दें कि आमतौर पर मानसून 8 जुलाई को आता है, लेकिन इस बार इसने 9 दिन पहले ही एंट्री हो गई है। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तट के पास एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ था। इसके साथ जुड़ा चक्रवाती सर्कुलेशन समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊंचाई तक फैला है। अगले दो दिनों में इसके धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में उत्तरी ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड की ओर बढ़ने की संभावना है। यानी, इन इलाकों में भी बारिश का जोर बढ़ेगा।

मौसम विभाग के आंकड़ों की मानें, तो 2020 के बाद यह पहला मौका है जब मानसून ने इतनी जल्दी पूरे देश को कवर किया। 2020 में मानसून ने 26 जून तक पूरे भारत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। आमतौर पर मानसून 1 जून को केरल से शुरू होता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर करता है। इसके बाद, यह 17 सितंबर से उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह विदा ले लेता है। इस साल मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दी, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी थी। 2009 में मानसून 23 मई को पहुंचा था। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने मजबूत निम्न दबाव सिस्टम की मदद से मानसून ने तेजी से कदम बढ़ाए।

भारतीय रेलवे का एक और कमाल, मिजोरम रेल नेटवर्क से जुडेगा, उदघाटन का इंतजार

- मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन ट्रेनों के फरार्टे भरने के लिए तैयार है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में इसकी आधारशिला रखी थी।

नई दिल्ली। करंट क्राइम। जम्मू-कश्मीर के बाद अब पूर्वोत्तर का एक राज्य रेल कनेक्टिविटी से जुड जाएगा। यह राज्य मिजोरम है। मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन ट्रेनों के फरार्टे भरने के लिए तैयार है। अब इसके उद्घाटन का इंतजार है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में इसकी आधारशिला रखी थी।

बैराबी-सैरांग रेल मार्ग असम के सिलचर के माध्यम से मिजोरम की राजधानी आइजोल को भारत के रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसी के साथ भारत के सभी राज्य रेल नेटवर्क से जुड जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार मिजोरम में लंबे अरसे प्रतीक्षित बैराबी-सैरांग रेल लाइन बनकर तैयार हो चुकी है। अब उद्घाटन का इंतजार है। इसके चालू होने से पर्यटन को जबर्दस्त बढ़ावा मिलेगा। बैराबी-सैरांग परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र में सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए रेल मंत्रालय की एक बड़ी पहल का हिस्सा है। इसमें असम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर और त्रिपुरा जैसे राज्यों में कई नई लाइनें और दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल है। हालाँकि स्थानीय विरोध के कारण मेघालय में रेलवे विकास में देरी हुई।

क्या है खासियत

यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल है। किसी भी मौसम का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मानसून के मौसम में भी रेल मार्ग अप्रभावित रहेगा। एलईडी प्रकाश व्यवस्था और सौर ऊर्जा स्थापित की गई है। बैराबी-सैरांग परियोजना में 48 सुरंगें और 55 प्रमुख पुल शामिल हैं।

इस रूट पर सुरंगों की कुल लंबाई 12,853 मीटर है। बता दें कि इस रूट पर एक पुल है जो 104 मीटर की ऊंचाई पर है। ये कुतुब मीनार की ऊंचाई से 42 मीटर अधिक है। सुरंगों में एलईडी लाइटिंग लगाई है। ये सौर ऊर्जा का भी उपयोग कर रहे हैं। यह नई रेलवे लाइन मिजोरम की राजधानी आइजोल के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाएगी। ये सैरांग से लगभग 20 किमी दूर स्थित है। इस लाइन के खुलने से मिजोरम राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क में एकीकृत हो जाएगा। इससे माल और यात्रियों की आवाजाही में सुविधा होगी।

तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह ने बीजेपी से दिया इस्तीफा

राज्य में नेतृत्व विवाद के चलते छोड़ी पार्टी!

हेदराबाद। गोशामहल विधायक ने कुछ दिन पहले एक वीडियो मैसेज में भाजपा नेतृत्व से खुद को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की अपील की थी. उन्होंने कहा था कि पार्टी के कई कार्यकर्ता उन्हें फोन करके अध्यक्ष पद पर देखने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह पार्टी हाईकमान से इस पद पर काम करने का अवसर मांग रहे हैं. राजा सिंह ने इस पद पर नियुक्त होने पर अपनी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह पार्टी के भीतर एक समर्पित गोरक्षा विंग की स्थापना करेंगे और गोरक्षा के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता के लिए ढाल के रूप में खड़े होंगे. उन्होंने भाजपा के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया और पार्टी की पहचान एक हिंदुत्व संगठन के रूप में स्थापित करने की बात कही थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अपने वरिष्ठ नेता एन. रामचंदर राव को तेलंगाना इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की संभावना है. पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी. माना जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के रूप में राव के नाम को मंजूरी दे दी है. हाई कोर्ट के अधिवक्ता और पूर्व विधान परिषद सदस्य एन. रामचंदर राव आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे. केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अपनी पसंद बता दिए जाने के बाद किसी अन्य नेता के मैदान में उतरने की संभावना नहीं बची थी. हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय और भाजपा सांसद ईटाला राजेंद्र और अरविंद धर्मपुरी को इस पद के लिए मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन माना जाता है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी के वफादार और विवादों से दूर रहने वाले रामचंदर राव को प्राथमिकता दी. राव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा और भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ में सक्रिय थे. उनके मंगलवार को निर्विरोध तेलंगाजा बीजेपी का अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है।

तेलंगाना में पार्टी हितों पर निजी हित हावी हो गए हैं: राजा सिंह

माना जा रहा है कि इसी से नाराज होकर टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा देने का फैसला लिया है. वर्तमान तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी. किशन रेड्डी को संबोधित अपने त्यागपत्र में राजा सिंह ने कहा कि यह निर्णय लाखों कार्यकताओं के साथ विश्वासघात को दशार्ता है, जो हर अच्छे-बुरे समय में पार्टी के साथ खड़े रहे. राजा सिंह ने लिखा, 'यह फैसला न केवल मेरे लिए बल्कि लाखों कार्यकताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भी झटका है, जिन्होंने भाजपा का समर्थन किया है. भाजपा की पहली सरकार बनाने के लिए तेलंगाना तैयार था, लेकिन गलत नेतृत्व के चयन ने इसे खतरे में डाल दिया है.' उन्होंने इसे 'पर्दे के पीछे से शो चलाने वाले व्यक्तियों' द्वारा थोपा गया नेतृत्व करार देते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में पार्टी के हितों पर निजी हित हावी हो गए हैं. उन्होंने कहा, 'मैं चुप नहीं रह सकता या यह दिखावा नहीं कर सकता कि सब ठीक है।

राजस्थान को मिले 16 नए आईएएस अधिकारी, केंद्र सरकार ने जारी किया पदोन्नति का आदेश

जयपुर। अधिकारियों की कअर कैडर में पदोन्नति 1 जनवरी 2024 से प्रभावी मानी जाएगी। यह प्रक्रिया वढरउ की सहमति और राज्य सरकार की संस्तुति के बाद पूरी हुई है। यह पदोन्नति राज्य प्रशासनिक सेवा से कअर में शामिल होने की नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रमोट किए गए 16 अधिकारियों की सूची भारत सरकार ने जारी कर दी है। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभागकी अधिसूचना के अनुसार इन अधिकारियों की कअर कैडर में पदोन्नति एक जनवरी 2024 से प्रभावी मानी जाएगी। यह पदोन्नति राज्य प्रशासनिक सेवा से कअर में शामिल होने की नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे संघ लोक सेवा आयोग की सहमति और राज्य सरकार की संस्तुति के बाद अंतिम रूप दिया गया।

इन अधिकारियों को राज्य के

विभिन्न प्रशासनिक पदों पर तैनात किया जाएगा। इस कदम से राज्य प्रशासन को और अधिक अनुभवी और सक्षम नेतृत्व मिलेगा। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जल्द ही इन सभी को कअर के अनुरूप नई पोस्टिंग भी प्रदान की जाएगी।

धमाके में बुरी तरह झुलसे लोग,डीएनए जांच से होगी शवों की पहचान

विस्फोट के चलते 12 लोगों की मौत, लगभग 35 लोग घालय

हेदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी में एक फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट से पूरे राज्यभर में शोक की लहर दौड़ उठी। कारण है कि इस विस्फोट के चलते 12 लोगों की मौत हो गई, वहीं लगभग 35 लोग घालय हो गए। हादसे में मारे गए लोग इतनी बुरी तरह से झुलस गए है कि अभी तक केलव तीन शवों की पहचान हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि अन्य शवों की पहचान के लिए डीएनए प्रोफाइलिंग कराई जाएगी। तेलंगाना के पाशमायलारम इंडस्ट्रियल एस्टेट में स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में सोमवार को हुए धमाके और भीषण आग की घटना में कम से कम 12 लोगों की जान चली गई, जबकि लगभग 35 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में लोग इतनी बुरी तरह झुलस गए कि कुछ शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट प्रोफाइलिंग की जाने की बात कही जा रही है। मामले में पटानचेरु के तहसीलदार ए रंगा राव ने बताया कि अब तक सिर्फ तीन शवों की पहचान हो पाई है। छह शव बुरी तरह जल चुके हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल है। इनकी पहचान डीएनए प्रोफाइलिंग से की जाएगी। वहीं, तीन अन्य शव अब भी मलबे में फंसे हुए हैं और उन्हें निकालने का काम जारी है।

सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बारे में जानिए कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जो सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), इंटरमीडिएट्स, एक्सिपिएंट्स, विटामिन-मिनरल मिक्सचर्स, संचालन और प्रबंधन (ओएंडएम) सेवाओं के लिए काम करती है।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का ऐलान

इस भयावह हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी अपार संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। साथ ही घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मलबा हटाने के काम में तेजी

वहीं तेलंगाना आपदा प्रबंधन और अग्निशमन सेवा विभाग के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने बताया कि मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। साथ ही यह जांच भी की जा रही है कि कहीं कोई व्यक्ति अब भी मलबे में दबा न हो। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है और हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

क्या विस्फोट होने की मुख्य संभावना?

बात अब अगर विस्फोट की मुख्य संभावना की करें तो, प्रारंभिक जांच में विशेषज्ञों का मानना है कि फैक्ट्री की ड्राइंग यूनिट में दबाव बढ़ने के कारण विस्फोट हुआ। सूखने की प्रक्रिया के दौरान सामग्री में ब्लास्ट हुआ, जिससे पूरी तीन मंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हो गई।

अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू में ट्रैफिक अलर्ट

जत्था गुजरते समय बंद रहेंगे ये... मार्ग

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा को लेकर यातायात पुलिस ने जम्मू शहर के लिए एडवाइजरी जारी कर दी। एसएसपी फारूक केसर ने रविवार को इसके बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। इसके तहत जम्मू के भगवती नगर से लेकर नगरोटा तक वाया एशिया क्रासिंग, बिक्रम चौक, बीसी रोड, रिहाड़ी, अम्फला और नगरोटा तक श्रद्धालुओं के जत्था गुजरते समय आम वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। यहां तक कि इस मार्ग को जोड़ने वाले लिंक रोड भी बंद रहेंगे। जम्मू से श्रीनगर जाने वाले वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह छह बजे से दोपहर तक ही जाने की अनुमति होगी। रात 10 बजे के बाद भारी वाहन एवं 12 बजे के बाद छोटे

वाहनों को नगरोटा से आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। शहर में छह कट आफ प्वाइंट भी बने हैं। यहां से भी रात 10 बजे से भारी वाहनों और 12 बजे के बाद छोटे वाहनों को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। पुलिस ने ये भी स्पष्ट किया कि उक्त तय समय हर दिन की स्थिति पर निर्भर करेगा।

तड़के चार और साढ़े चार बजे रवाना होंगे जत्थे

बता दें कि जम्मू के भगवतीनगर से बालटाल आधार शिविर के लिए सुबह चार बजे और पहलगाम के लिए सुबह 4:30 बजे जत्था रवाना किया जाएगा। यात्रा रवाना होने के आधा घंटा पहले ही तय रूट पर अन्य वाहनों की आवाजाही बंद कर जाएगी और जत्था गुजरने के 10 मिनट बाद आवाजाही बहाल होगी। ये पूरा प्लान 38 दिन तक प्रभावी रहेगा। अमरनाथ यात्रा इस बार इतने दिनों की ही है।

यात्रा सुगम बनाने के लिए 70 अतिरिक्त कर्मी तैनात

यातायात पुलिस ने शहर में यात्रा के दौरान आवाजाही को सुगत बनाने के लिए 70 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। यह तय स्थानों पर तैनात रहेंगे। एसएसपी का कहना है कि हमारा लक्ष्य है कि यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

करछना बवाल मामले में पुलिस ने कसा शिकंजा, 51 उपद्रवी हिरासत में

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद को नजरबंद करने के बाद नैनी में रविवार को बवाल हो गया था। लाठीचार्ज करने पर भड़की हिंसा ने वाहनों में तोड़फोड़ करने के बाद आग लगा दी। पुलिस पर भी हमला किया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने 50 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। करछना में एक दिन पहले हुए बवाल के मामले में पुलिस ने रात भर उपद्रवियों की तलाश में अलग-अलग इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 31 अन्य लोग भी हिरासत में लिए गए। 20 लोगों को बवाल के कुछ देर बाद ही हिरासत में ले लिया गया था, ऐसे में अब तक कुल हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या 51 हो गई है। पुलिस इन सभी से पूछताछ में जुटी हुई है। करछना थाने में डीसीपी विवेक यादव के मौजूदगी में पकड़े गए 51 आरोपियों को दो पुलिस वैन से भारी सुरक्षा के साथ मेडिकल कराकर न्यायालय भेजा गया। डीसीपी करछना थाने में ही कैंप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। एहतियातन अलग-अलग थानों की फोर्स के साथ पीएसी भी लगाई गई है। बावल में शामिल अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए वीडियो फुटेज का सहारा लिया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर को प्रयागराज सर्किट हाउस में रोके जाने पर रविवार को करछना में बवाल हो गया था। आक्रोशित भीड़ ने करछना-कोहड़ार मार्ग पर जाम लगा दिया। समझाने पहुंची पुलिस टीम पर प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। पुलिस की तीन गाड़ियों समेत एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की और 15 बाइकें फूंक दी थी। पथराव में चौकी प्रभारी समेत आधा दर्जन पुलिसकर्मी चोटिल हो गए थे। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर को कौशाम्बी के लोहंदा गांव जाकर कथित दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के परिजनों से मिलना था। इसके लिए चंद्रशेखर रविवार की सुबह 11:40 बजे प्रयागराज पहुंचे थे। इसकी भनक लगने के बाद कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया और वापस लौटने के लिए कहा। वह नहीं माने तो उन्हें प्रयागराज में सर्किट हाउस लाया गया।

पुलिस फोर्स देखकर उग्र हो गई भीड़

सर्किट हाउस में चंद्रशेखर को रोके जाने की जानकारी मिली तो करछना में जुटे कार्यकताओं ने करछना-कोहड़ार मार्ग पर भड़ेवरा बाजार में जाम लगा दिया था। मौके पर मौजूद भुंडा चौकी के पुलिसकर्मियों ने हटाना चाहा तो उन्हें खदेड़ दिया। करीब एक घंटे बाद आसपास के थानों व डायल 112 की गाड़ी संग करछना थाने की फोर्स पहुंची तो कार्यकर्ता उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। तोड़फोड़ करने के साथ ही डायल 112 की गाड़ी पलट दी। हालात देख पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने नैनी व औद्योगिक थाने की फोर्स के साथ जाम में फंसे अन्य वाहनों पर भी पथराव किया। इसके बाद तीन कंपनी पीएसी लेकर डीसीपी यमुनानगर विवेक यादव पहुंचे। शाम पांच बजे के करीब एडि. सीपी अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा मौके पर पहुंचे और फोर्स लेकर आगे बढ़े तक जाकर उपद्रवियों को खदेड़ा जा सका और फिर 5:30 बजे स्थिति नियंत्रण में आई। डीसीपी यमुनानगर का कहना है कि तीन पुलिसकर्मियों के चोटिल होने और तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं।

नहीं जाने दिया तो विस और सीएम कार्यालय का करेंगे घेराव : चंद्रशेखर

मैं कौशाम्बी और करछना जाना चाहता था। मुझे कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक न होने का हवाला देकर रोका गया और यह कहा गया कि कुछ देर बाद जाने दिया जाएगा। मुझे आठ घंटे तक बिना कारण बताए सर्किट हाउस में रोके रखा गया। मुझे नहीं जाने दिया गया। लखनऊ में विधानसभा और मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसमें पूरे प्रदेश से आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या- डी-235बी-1, से0-11 प्रताप विहार, गाजियाबाद का आवंटन प्राधिकरण से श्री सुनील दत्त शर्मा पुत्र श्री एम०एस० शर्मा को हुआ है। इनके द्वारा श्री शैलेन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री शिशुपाल सिंह को दिनांक 16.12.1991 को मुख्त्यारेआम पंजीकृत किया गया। मुख्त्यारेआम के माध्यम से मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 07.11.2009 को लीजडीड निष्पादित कराकर मुख्त्यारेआम श्री शैलेन्द्र पाल सिंह द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती अनीता सिंह पत्नी श्री शैलेन्द्र पाल सिंह के पक्ष में दिनांक 30.01.2025 को कर दिया गया। अब श्रीमती अनीता सिंह उक्त भवन के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराना चाहती है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में श्री सुनील दत्त शर्मा पुत्र श्री एम०एस० शर्मा के स्थान पर श्रीमती अनीता सिंह पत्नी श्री शैलेन्द्र पाल सिंह का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-डी-239बी, एल०आई०जी० से०-11 प्रताप विहार, गाजियाबाद का आवंटन प्राधिकरण से श्री यशपाल पुत्र श्री लीलाधर को हुआ है। इनके द्वारा श्रीमती अनीता सिंह पत्नी श्री शैलेन्द्र पाल सिंह को दिनांक 25.07.1992 को मुख्त्यारेआम पंजीकृत किया गया। मुख्त्यारेआम के माध्यम से मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 07.11.2009 को लीजडीड निष्पादित कराकर मुख्त्यारेआम श्रीमती अनीता सिंह द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती कंचन सिंह पत्नी श्री रोहित कुमार सिंह के पक्ष में दिनांक 20.01.2025 को कर दिया गया। अब श्रीमती कंचन सिंह उक्त भवन के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराना चाहती है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में श्री यशपाल पुत्र श्री लीलाधर के स्थान पर श्रीमती कंचन सिंह पत्नी श्री रोहित कुमार सिंह का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

जन नायक शहीद प्यारे लाल शर्मा के 100वें जन्मदिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व विधायक जन नायक शहीद स्व. प्यारे लाल शर्मा के 100वें जन्मदिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जन नायक की उपाधि से विभूषित स्व. प्यारे लाल शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष पर मालीवाड़ा के शहीद प्यारे लाल शर्मा पार्क में एक सभा का आयोजन हुआ। उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके समर्थकों ने उन्हें याद किया। इस अवसर पर शहीद प्यारे लाल शर्मा के सुपुत्र पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने अपने पिता को नमन करते हुए कहा कि वह हमेशा अपने स्व. पिता के दिखाई राह पर चलकर जनसेवा करते रहे हैं और करते रहेंगे।

कांवड़ मार्ग पर पुलिस-प्रशासन सतर्क

आईजी एवं डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

चौकियों से लेकर कंट्रोल रूम तक तैयारियों की गहन समीक्षा, अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांवड़ यात्रा 2025 के सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद जे रविंदर गौड एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने संयुक्त रूप से कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ यात्रा मार्ग पर की जा रही तैयारियों का गहन अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस चौकी कादराबाद, कोतवाली मोदीनगर, मुरादनगर स्थित गंगनहर तथा मेरठ रोड तिराहा स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं संचार प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की।

सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड़ एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा के दौरान यातायात बाधित ना होने पाए। साथ ही कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए हर पड़ाव पर चिकित्सीय सहायता, शुद्ध पेयजल और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं, अतः सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें एवं प्रत्येक व्यवस्था का स्थलीय परीक्षण समय-समय पर किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने में कोई दिक्कत न हो।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी

करंट क्राइम। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रणविजय सिंह एवं पुलिस विभाग से एडिशनल पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी सुरेन्द्र नाथ तिवारी, एडिशनल डीसीपी सच्चिदानंद, एसीपी जियाउद्दीन अहमद, एसीपी ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी लिपि नागायच, एसीपी पूनम मिश्रा सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

दिनेश कुमार गोयल सभापति की अध्यक्षता में विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति की बैठक सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सभागार लखनऊ में सोमवार को दिनेश कुमार गोयल, सभापति प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति की अध्यक्षता में विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव ऊर्जा विभाग, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन निगम लि. लखनऊ, प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल, प्रबन्ध निदेशक पश्चिमांचल तथा प्रबन्ध निदेशक दक्षिणांचल के उच्चाधिकारियों ने अपने विद्युत से सम्बन्धी साक्ष्य प्रस्तुत किये। जिसमें कई गम्भीर विषयों पर चर्चा की गयी एवं विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए उचित कदम उठाने हेतु सभापति द्वारा निर्देशित किया गया।

इस मीटिंग के दौरान सभापति दिनेश कुमार गोयल के साथ विजय बहादुर पाठक, अश्विनी त्यागी, रवि शंकर, पप्पू भैया, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जितेन्द्र सिंह सेंगर, सलिल विश्नाई सदस्यगण विधान परिषद व डा आशीष गोयल चेयरमैन विद्युत वितरण निगम लि., एम.डी. दक्षिणांचल व अन्य विद्युत विभाग से सम्बन्धित सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

क्यों कहा कहने वाले ने कि पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप के साथ क्या हो गया मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर हुई मजाक? कार्यक्रम के चार दिन बाद उनके पास पहुंचा एक फोन? तब पता चला कि सुरेश कश्यप का पास पड़ा है रैपिड के पास? कहने वाले ने कहा कि पास बन गया था तो इसे पूर्व विधायक तक पहुंचाना था किसकी जिम्मेदारी? मुख्यमंत्री जब आकर चले भी गए तो चार दिन बाद किसने निभाई यह बताने की जिम्मेदारी? कहने वाले ने कहा कि अगर पूर्व एमएलसी के साथ हो सकती है ऐसी बात? तो फिर समझा जा सकता है कि क्या रहे होंगे उनके इस घटना के बाद जज्बात?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नगर निगम वाली बैठक में क्यों नहीं पहुंची संगठन के निवर्तमान महामंत्री की पार्षद वाइफ? सुना है महिला पार्षद का पत्र लेकर सदन की बैठक में लेकर पहुंचे भाजपा के पार्षद राहुल शर्मा? लैटर का मैटर उन्होंने किसी को नहीं बताया? सिर्फ इतना बताया कि नहीं आएंगी मैडम पार्षद आज वाली इस बैठक में? नहीं आने का क्या रहा मैटर , ये तो पहलवान भैया ही बता सकते है बैटर ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि बोर्ड बैठक के बाद क्यों हुई भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की जय-जयकार? पार्षदों ने जताया महानगर अध्यक्ष का विशेष आभार? सुना है यहां भी सीन हो गया नदिया के इस पार और उस पार? सदन वालों ने बताया कि महानगर अध्यक्ष के वेलकम में नदिया के उस पार वालों ने कुछ ज्यादा ही जोश दिखाया? कहने वाले ने कहा कि लाइन के इस पार और उस पार वाले पार्षदों ने स्वागत के तूफान से खुद को दूर ही रखा ? वो समझ रहे थे की रूठ सकता है किसी का सखा ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हाथ वाले पार्षदों का नहीं समझ में आया कि वो आखिर हैं किसके साथ? गिनती के तीन पार्षद हैं और उसमें भी सिर्फ सीन में रहे साइकिल वाले पार्षद महोदय? सदन में शर्मा जी ही उठाते दिखे आवाज? कहने वालों ने कहा कि राज नगर एक्सटेंशन वाली मैडम भी कहां थी किसी ने नहीं सुनी उनकी आवाज? शहर वाले पार्षद ने भी रखी हो अपनी बात लेकिन सदन में उतनी गूंज के साथ नहीं सुनाई दी उनकी आवाज?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के कई पार्षद बना गए हाउस टैक्स को लेकर बुलाई गई स्पेशल बैठक से दूरी? किसी ने उन्हें दिए थे निर्देश या उनकी आ गई थी कोई पर्सनल मजबूरी? कहने वाले ने कहा कि राम की नगरी में निवास करने वाले बंसल के भी नहीं हुए बैठक में दीदार? अकेले वो ही नहीं थे बैठक से दूरी बनाने वाले भाजपाई किरदार? कई ऐसे पार्षद रहे जो कर गए बोर्ड बैठक में शामिल होने से किनारा? कहने वाले ने कहा कि उन्होंने उठाया होगा यह कदम और सोचा होगा कई बार दुबारा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही यह बैठक थी नगर निगम के सदन की आवश्यक कॉल पर बुलाई गई बोर्ड बोर्ड बैठक? लेकिन सुना है सदन वाली बैठक में भगवा दफ्तर के भवन से भी जारी हुए थे निर्देश? कहने वाले ने कहा कि जो पार्षद बना गए थे इस बैठक से डिस्टेंस? कहने वाले ने कहा कि संगठन वालों ने ले ली है उनकी लोकेशन की पूरी अपडेट? संगठन वालों की नजर में आ गए हैं ये पार्षद? इनका मामला चुनाव तक कर दिया जाएगा सेट ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि क्या हाथ वाले संगठन के पदाधिकारी भी करेंगे अपने पार्षदों से उनके रवैये को लेकर कोई सवाल? उन्हें रखना चाहिए था विरोध वाली बैठक में अपने विपक्ष वाले तेवरों का ख्याल? कहने वाले ने कहा कि उनके सामने तो सरकार में होने का भी धर्मसंकट नहीं था और न ही पूछा जाना था उनसे कोई सवाल? क्या कांग्रेस के ब्राह्मण पार्षद ने ही उठाई जिम्मेदारी? बाकी की फ्लॉप रही अदाकारी ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि महानगर वाली टीम में आने के लिए प्रयास कर रहे दो चेहरे हो चुके हैं हताश? कहने वाले ने कहा कि उन्हें लग गई है इस बात की खबर कि नहीं बन रहे हैं टीम में आने के उनके चांस? सुना है इन दो चेहरों ने अब धीरे-धीरे नाप ली है भगवा दफ्तर से भी दूरी? वो कह रहे हैं कि हम देवतुल्य के टाइटल से ही काम चला लेंगे और नहीं है संगठन में आना हमारी कोई मजबूरी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया के उस पार नालों को लेकर हो गया है क्या गुणवत्ता में कोई खेल? कहने वाले ने कहा कि इंदिरा जी वाले पुरम में बन रहा है जो नाला? सुना है उसके सरियों वाले सीन में कोई गड़बड़झाला? कहने वाले ने कहा कि जल्द ही पहुंचने वाली है आयरन वाले मामले में फ्लॉवर वाले की तरफ से कोई शिकायत? जिन्हें उठाना है इस मामले से पर्दा वो पहले नहीं देना चाहते कोई हिदायत?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नहीं दिखी निगम की बैठक में अपोजिशन वाले मोहल्ला प्रधानों के लहजे में कोई धार? कहने वाले ने कहा कि आप हाथ, साइकिल और एलिफेंट को छोड़ो और करो जरा ओवैसी तथा केजरीवाल की पार्टी पार्षदों पर गौर? ऐसा लग रहा है कि या तो इन पार्षदों ने बदल लिया है पाला? या फिर इन पार्षदों से नहीं है कोई इनके ही दल में कुछ पूछने वाला?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

11 सालों में मोदी सरकार ने किए हैं देश में क्रांतिकारी बदलाव : एसपी सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व पार्षद एसपी सिंह ने कहा कि बीते 11 सालों में मोदी सरकार द्वारा क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं। मोदी सरकार ने लोगों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मोदी सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से भारत में कल्याणकारी वितरण में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिसके परिणामस्वरूप लीकेज पर अंकुश लगाने और लाभार्थियों को सीधे हस्तांतरण सुनिश्चित करके 3.48 लाख करोड़ रुपए की संचयी बचत हुई है।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष जोर देकर बदली है मोदी सरकार ने भारत की तस्वीर : वीरेंद्र सारस्वत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद सहकारी क्रय-विक्रय के अध्यक्ष वीरेंद्र सारस्वत ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा 11 सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष जोर देकर भारत की तस्वीर बदल दी है। देश में नेशनल हाईवे की लंबाई 91,000 किमी से बढ़कर अब 1.46 लाख किमी हो गई है। सरकार ने सड़क परिवहन और राजमार्ग के बजट में 570 प्रतिशत की वृद्धि की है। बीते 11 सालों में सिर्फ सड़कों पर ही काम नहीं हुआ, बल्कि मोदी सरकार ने रेलमार्ग का विस्तार भी किया। अधिकतर रेलमार्गों का विद्युतीकरण भी किया। वहीं हाल में पीएम नरेंद्र मोदी के चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करने के साथ ही देश कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलमार्ग से जुड़ गया। रेलमार्ग के साथ ही सरकार ने रेलयात्री सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया है।

हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में मिली ऐतिहासिक सफलता महानगर टीम एवं व्यापार मंडलों को हार्दिक बधाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा प्रस्तावित हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में महानगर अध्यक्ष गोपीचंद एवं महामंत्री अशोक चावला के कुशल नेतृत्व में सभी व्यापार मंडल इकाइयों ने एकजुट होकर आवाज बुलंद की। जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इन्होंने जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा और जनता की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। महानगर उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद के द्वारा सबसे पहले बढ़े हुए हाउस टैक्स का विरोध किया गया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, महामंत्री अशोक चावला के नेतृत्व में यह विरोध किया गया।

जनसंगठनों और जनप्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक संवाद की जीत

करंट क्राइम। सामूहिक प्रयासों, संगठित रणनीति एवं ठोस संवाद के चलते नगर निगम द्वारा प्रस्तावित हाउस टैक्स वृद्धि के प्रस्ताव को आज सदन में पूर्णतः निरस्त कर दिया गया। यह निर्णय न सिर्फ व्यापारियों के हित में है, बल्कि पूरे शहरवासियों के आर्थिक हितों की रक्षा भी करता है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए महानगर की समस्त टीम, व्यापार मंडलों एवं नेतृत्वकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं साधुवाद। यह जीत जनसंगठनों और जनप्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक संवाद और सहयोग का प्रतीक है। जनता की आवाज जब एकजुट होकर उठती है, तो परिणाम जनहित में ही आता है।

विधायक अजीत पाल त्यागी के जन्मदिन पर नेत्र शिविर का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के जन्मदिन पर वरदान अस्पताल में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा नेता तथा समाजसेवी पुनीत बरारा द्वारा आयोजित कराए गए इस निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 15 नेत्र रोगियों के ऑपरेशन किए गए और उन्हें निशुल्क लैंस भी लगाए गए। अपने जन्मदिन पर नेत्र रोगियों को विधायक अजीत पाल त्यागी द्वारा दिया गया यह बेहतरीन गिफ्ट था। वह स्वयं वरदान अस्पताल पहुंचे और अपने हाथों से उन्होंने मरीजों को चश्में तथा दवाइयां वितरित की।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ये अखिलेश यादव हैं जो जानते हैं कि सफलताओं का राज क्या है। वो जानते हैं कि जब कोई युवा सफल होता है तो पूरे परिवार को नाज होता है और पूरे परिवार का समाज में सम्मान होता है। अंतरिक्ष में पहुंचने वाले शुभम शुक्ला के घर पहुंच कर उनके माता पिता को बधाई शुभकामनाएं दी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।